CTET L1 Hindi L2 Telugu P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) Which domain of development discusses aspects related to display of self-control, expression and understanding of feelings ?

(1) Emotional
(2) Moral
(3) Physical
(4) Motor

विकास का कौन-सा क्षेत्र स्व-नियमन प्रदर्शन, भावनाओं को समझने और दर्शाने से संबंधित पहलुओं की बात करता है ?

(1) संवेगात्मक
(2) नैतिक
(3) शारीरिक
(4) गत्यात्मक

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q1]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) Which of the following statement about development is correct ?

(1) Development is purely erratic.
(2) Development is highly discontinuous.
(3) Rate of development varies across individuals.
(4) Development proceeds from toe to head.

निम्नलिखित में से कौन-सा कथन विकास के बारे में सही है ?

(1) विकास पूरी तरह से अनिश्चित है।
(2) विकास अत्यधिक अनिरंतर है।
(3) व्यक्तियों की विकास दर में विभिन्नता पाई जाती है।
(4) विकास पैर से सिर की तरफ होता है।

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q2]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which of the following statement is correct regarding influence of heredity and environment on development ?

(1) Impact of heredity and environment on development is fixed and cannot be altered.

(2) Only environment impacts development not heredity.

(3) Only heredity impacts development not environment.

(4) Both heredity and environment impact development in a complex manner.

आनुवंशिकता और वातावरण के विकास पर प्रभाव के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) आनुवंशिकता और वातावरण का विकास पर प्रभाव निश्चित है और उसे बदला नहीं जा सकता ।

(2) केवल वातावरण ही विकास को प्रभावित करता है, आनुवंशिकता नहीं ।

(3) केवल आनुवंशिकता ही विकास को प्रभावित करती है, वातावरण नहीं ।

(4) आनुवंशिकता और वातावरण दोनों ही एक जटिल रूप से विकास को प्रभावित करते हैं ।

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q3]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]
3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) Which of the following is the earliest stage in Jean Piaget's theory of cognitive development ?

(1) Pre-operational

(2) Formal operational

(3) Sensorimotor

(4) Concrete operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार विकास का पहला चरण क्या है ?

(1) पूर्व-संक्रियात्मक

(2) औपचारिक संक्रियात्मक

(3) संवेदी-गामक

(4) मूर्त संक्रियात्मक

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q4]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) Which of the following statement is correct as per Jean Piaget's theory of cognitive development ?

(1) Language facilitates cognitive development.

(2) Biological maturation has no influence on development.

(3) Children in preoperational stage are capable of hypothetico-deductive reasoning.

(4) Children in concrete operational stage understand classification and seriation.

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, निम्न में से कौन-सा कथन सही है ?

(1) भाषा, संज्ञानात्मक विकास को सुसाधित करती है ।

(2) जैविक परिपक्वता का विकास पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता ।

(3) पूर्व-संक्रियात्मक चरण में बच्चे परिकल्पनात्मक निगमनात्मक तर्क करने में सक्षम होते हैं ।

(4) मूर्त संक्रियात्मक चरण में बच्चे वर्गीकरण और क्रमबद्धता समझ पाते हैं ।

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q5]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Anil directs most of his actions in a way that earns him rewards from his parents. As per Lawrence Kohlberg's theory at which level of moral reasoning, Anil is likely to be ?

(1) Pre-conventional

(2) Conventional

(3) Post-conventional

(4) Formal conventional

अनिल अपनी गतिविधियों को इस तरह निर्देशित करता है जिससे कि वह अपने माता-पिता से पुरस्कार पा सके । लॉरेंस कोहलबर्ग के सिद्धांत के अनुसार, वह नैतिक तर्क के किस स्तर पर है ?

(1) पूर्व-परंपरागत

(2) परंपरागत

(3) उत्तर-परंपरागत

(4) औपचारिक परंपरागत

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q6]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) Which of the following has been emphasised by Lev Vygotsky for development of thought among children ?

(1) Social interactions

(2) Genetic maturation

(3) Classical conditioning of behaviour

(4) Drill and Practice

लेव वायगोत्स्की ने बच्चों के विचारों के विकास में निम्न में से किसकी भूमिका को महत्त्वपूर्ण माना है ?

(1) सामाजिक अंत:क्रियाएँ

(2) आनुवंशिक परिपक्वता

(3) व्यवहार का शास्त्रीय अनुकूलन

(4) पुनरावृत्ति एवं अभ्यास

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q7]

1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) Which of the following statement is correct as per Lev Vygotsky's theory ?

(1) Discussions and debates hinders learning.

(2) Providing cues and hints fosters learning.

(3) Private speech among children represents their egocentrism.

(4) Learning is an individualised passive process.

निम्न में से कौन-सा कथन लेव वायगोत्स्की के सिद्धांत के अनुसार सही ***नहीं*** है ?

(1) चर्चा और वैचारिक बहस अधिगम में बाधक हैं।

(2) संकेत और इशारे अधिगम को बढ़ावा देते हैं।

(3) निजी वाक् बच्चों की आत्म-केंद्रीयता का प्रतीक है।

(4) अधिगम एक व्यक्तिगत निष्क्रिय प्रक्रिया है।

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q8]

1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) In order to shift practices of your school from behaviourism to constructivism which of the following move you will choose ?

(1) From flexible curriculum to standardised curriculum.

(2) From teacher-centric pedagogy to exam-centric pedagogy.

(3) From formative assessment to summative assessment.

(4) From rote memorisation to discovery learning.

अपने स्कूल की प्रथाओं को व्यवहारवादी विचारधारा से बदलकर संरचनावादी विचारधारा पर आधारित करने के लिए आप निम्न में से कौन-सा बदलाव चुनेंगे ?

(1) लचीले पाठ्यक्रम की बजाए मानकीकृत पाठ्यक्रम अपनाएँगे ।

(2) अध्यापक-केंद्रित शिक्षाशास्त्र की बजाए परीक्षा-केंद्रित शिक्षाशास्त्र अपनाएँगे ।

(3) रचनात्मक आकलन की बजाए योगात्मक आकलन को अपनाएँगे ।

(4) कंठस्थ स्मरण की बजाए खोजी अधिगम को अपनाएँगे ।

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q9]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) A student is very good at interpreting the intentions, motivation level and moods of the classmates. According to Gardner's theory of multiple intelligences, this student has _______ intelligence.

(1) Naturalist

(2) Interpersonal

(3) Logical

(4) Spiritual

एक विद्यार्थी अपने सहपाठियों के इरादों, प्रेरणा स्तर तथा मनोदशा को उचित प्रकार से समझने में सक्षम है । गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार, विद्यार्थी में किस प्रकार की बुद्धि है ?

(1) प्राकृतिक

(2) अंतर्वैयक्तिक

(3) तार्किक

(4) आध्यात्मिक

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q10]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) Jean Piaget used the term ______ to refer to the actions that are carried out and reversed mentally.

(1) Functions

(2) Equilibration

(3) Egocentrism

(4) Operations

जीन पियाज़े के अनुसार, वे क्रियाएँ जिन्हें मानसिक स्तर पर निष्पादित और प्रतिलोमित किया जाता है, _______ कहलाती है ।

(1) प्रकार्य

(2) संतुलनीकरण

(3) आत्म-केन्द्रीयता

(4) संक्रियाएँ

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q11]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) 'Boys are always good at mechanics and girls are good at embroidery' represents

(1) Gender equity

(2) Gender equality

(3) Gender parity

(4) Gender stereotyping

'लड़के हमेशा यंत्रविज्ञान में अच्छे होते हैं और लड़कियाँ कढ़ाई करने में', यह कथन क्या दर्शाता है ?

(1) जेंडर समता

(2) जेंडर समानता

(3) जेंडर अनुरूपता

(4) जेंडर रूढ़िवादिता

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q12]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) Which of the following is correct about individual differences in learning preferences ?

(1) All learners prefer same style of acquiring skills.

(2) Learning preferences are not impacted by socio-cultural factors.

(3) Standardised curriculum comprehensively accounts for individual differences in learning preferences.

(4) Teacher-centric pedagogies do not cater to individual differences of students' learning preferences.

अधिगम वरीयताओं में व्यक्तिगत विभिन्नताओं के बारे में निम्न में से क्या सही है ?

(1) सभी अधिगमकर्ता एक ही तरह से कौशल ग्रहण करना पसंद करते हैं।

(2) अधिगम वरीयताएँ सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित नहीं होती हैं।

(3) मानकीकृत पाठ्यचर्या अधिगम वरीयताओं में व्यक्तिगत विभिन्नताओं को व्यापक रूप से शामिल करता है।

(4) अध्यापक-केंद्रित शिक्षाशास्त्र विद्यार्थियों की अधिगम वरीयताओं की व्यक्तिगत विभिन्नताओं की पूर्ति नहीं करता है।

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q13]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) Iram a primary school teacher. She monitors students' progress throughout the school year by using projects, group assignments, written assignments and open book exams. Iram practices _______ assessment.

(1) Summative

(2) Formative

(3) Rigid

(4) Discontinuous

इरम एक प्राथमिक स्कूल में अध्यापिका है। वह विद्यार्थियों की प्रगति को जाँचने के लिए पूरे सत्र के दौरान प्रोजेक्ट, समूह कार्यपत्रक, लिखित कार्यपत्रक और खुली किताब परीक्षाओं का प्रयोग करती है। इस तरह से इरम_______ मूल्यांकन का अभ्यास करती है।

(1) संकलनात्मक/योगात्मक

(2) संरचनात्मक

(3) अनम्य

(4) अनिरन्तर

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q14]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) To promote critical thinking among students, a teacher should promote a learning environment where :

(1) students can formulate plausible hypothesis.

(2) convergent thinking is promoted.

(3) tendency of asking questions is negatively reinforced.

(4) rote memorisation is preferred over experimentation.

विद्यार्थियों में समालोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने के लिए, एक अध्यापिका को ऐसा अधिगम माहौल बनाना चाहिए जहाँ :

(1) विद्यार्थी संभाव्य परिकल्पनाएँ निरूपित कर सकें।

(2) अभिसारी चिंतन को बढ़ावा मिले।

(3) प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति को नकारात्मक रूप से पुनर्बलित किया जाए।

(4) कंठस्थ स्मरण को प्रयोगकार्य से ज्यादा अधिमानित किया जाए।

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q15]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

16) Which of the following need to be promoted for creating an inclusive culture which successfully includes students from diverse socio-economic backgrounds ?

(i) Respect for diversity

(ii) Ignorance of individual differences

(iii) Focus on performance-oriented goals

(iv) Flexible curriculum

(1) (i), (ii)

(2) (i), (iii)

(3) (ii), (iii)

(4) (i), (iv)

एक ऐसा समावेशी वातावरण बनाने के लिए जिसमें विविध सामाजिक-आर्थिक परिवेशों से आने वाले विद्यार्थियों को सफल रूप से समावेशित किया जा सके, निम्न में से किसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए ?

(i) विविधता के प्रति सम्मान

(ii) व्यक्तिगत विभिन्नताओं के प्रति उदासीनता

(iii) प्रदर्शन-उन्मुखी लक्ष्यों पर केन्द्रित

(iv) लचीला पाठ्यक्रम

(1) (i), (ii)

(2) (i), (iii)

(3) (ii), (iii)

(4) (i), (iv)

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q16]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

17) 'Dyspraxia' causes direct challenges in

(1) Social interactions

(2) Physical coordination

(3) Regulating emotions

(4) Storing information

गतिसमन्वयवैकल्य सापेक्ष रूप से किस क्षेत्र को प्रभावित करता है ?

(1) सामाजिक पारस्परिकता

(2) शारीरिक सामंजस्य

(3) भावनात्मक नियमन

(4) सूचना संग्रहण

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q17]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

18) Which of the following should be avoided to promote the inclusion of students with visual impairment ?

(1) Frequent changes in arrangement of furniture and other physical objects.

(2) Providing microphone for voice clarity.

(3) Use of multimedia teaching.

(4) Use of tactile teaching aids.

एक समावेशित कक्षा में दृष्टिबाधिता से जूझते विद्यार्थियों के समावेशन को बढ़ावा देने के लिए किससे बचना चाहिए ?

(1) फर्नीचर तथा अन्य भौतिक वस्तुओं के स्थानों में और कक्षा व्यवस्था में जल्दी-जल्दी परिर्वतन करना ।

(2) स्वर की स्पष्टता के लिए माइक्रोफोन का प्रयोग करना ।

(3) मल्टीमीडिया शिक्षण का प्रयोग करना ।

(4) स्पर्शनीय सहायक सामग्री का प्रयोग करना ।

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q18]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

19) Students with Autism are likely to have

(1) Advance communication skills.

(2) Extraordinarily good social relationships.

(3) Urge for frequent changes in their routine.

(4) High sensitivity to sensory information.

स्वलीनलता से जूझते विद्यार्थी के बारे में कौन-सा कथन सही है ?

(1) उनके सम्प्रेषण कौशल अग्रिम स्तर के होते हैं।

(2) उनके सामाजिक रिश्ते अद्भुत रूप से अच्छे होते हैं।

(3) उनमें अपनी दिनचर्या में निरंतर बदलाव की इच्छा होती है।

(4) उनमें संवेदिक सूचना के प्रति उच्च स्तरीय संवेदनशीलता होती है।

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q19]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

20) Which of the following is a characteristic of a student with giftedness ?

(1) Tendency to opt for easy tasks

(2) Slow comprehension

(3) Inclination for precision in thinking

(4) Lack of curiosity

निम्नलिखित में से कौन-सी एक प्रतिभावान विद्यार्थी की विशेषता है ?

(1) आसान कार्यों को चुनने की प्रवृत्ति

(2) धीमी समझ

(3) सोच में सटीकता की ओर झुकाव

(4) जिज्ञासा की कमी

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q20]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

21) While teaching a concept in primary grades, which of the following sequence a teacher should choose to represent the teaching-learning materials ?

(1) First present pictures of objects then concrete objects

(2) First present symbols then pictures of objects

(3) First present concrete objects then pictures of objects

(4) First present symbols then concrete objects

प्राथमिक कक्षाओं में एक संप्रत्यय को पढ़ाते हुए, अध्यापक को अध्यापन-अधिगम सामग्री को प्रस्तुत करने के लिए किस क्रम का चुनाव करना चाहिए ?

(1) पहले वस्तुओं के चित्र और फिर मूर्त वस्तुएँ प्रस्तुत करना ।

(2) पहले चिह्न और फिर वस्तुओं के चित्र प्रस्तुत करना ।

(3) पहले मूर्त वस्तुएँ और फिर वस्तुओं के चित्र प्रस्तुत करना ।

(4) पहले चिह्न और फिर मूर्त वस्तुएँ प्रस्तुत करना ।

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q21]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

22) Which of the following should ***not*** be emphasised to enhance students' engagement in learning ?

(1) Relevance of content

(2) Competition among students

(3) Peer collaboration

(4) Contextualisation of information

विद्यार्थियों की अधिगम में संलग्नता को बढ़ावा देने हेतु, निम्न में से किसे महत्त्व ***नहीं*** देना चाहिए ?

(1) विषयवस्तु की प्रासंगिकता

(2) विद्यार्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा

(3) सहपाठी सहभागिता

(4) जानकारी का संदर्भीकरण

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q22]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

23) Which of the following approach of learning considers learners as active beings who are capable of constructing new knowledge through explorations and interactions with their surroundings ?

(1) Constructivist

(2) Psychoanalytic

(3) Behaviourist

(4) Functionalist

निम्न में से किस उपागम का मानना है कि अधिगमकर्ता सक्रिय प्राणी है जो अन्वेषण और अपने आस-पास से अंत:क्रियाओं द्वारा नए ज्ञान के सर्जन में सक्षम होते हैं ?

(1) संरचनावादी

(2) मनोविश्लेषणवादी

(3) व्यवहारवादी

(4) प्रकार्यवादी

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q23]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

24) Which of the following strategy does ***not*** facilitate learning ?

(1) Making predictions

(2) Concept mapping

(3) Functional fixedness

(4) Creating non-examplars

निम्न में से कौन-सी युक्ति अधिगम को सुसाधित ***नहीं*** करती है ?

(1) अनुमान लगाना

(2) संप्रत्यय प्रतिचित्रण

(3) प्रकार्यात्मक स्थिरता

(4) ग़ैर-उदाहरण निर्मित करना

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q24]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

25) In order to facilitate problem solving skills among students, a teacher should

(1) discourage students to use heuristics.

(2) encourage students to explore multiple possible solutions.

(3) avoid providing scaffolding to activate required schemas.

(4) avoid giving opportunities to students for reflecting on their thinking process.

विद्यार्थियों में समस्या समाधान कौशलों को सुसाधित करने के लिए, एक अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) विद्यार्थियों को अनुमान/स्वत: शोध प्रणाली के इस्तेमाल पर हतोत्साहित करे।

(2) विद्यार्थियों को विभिन्न संभावित समाधानों को खोजने के लिए प्रोत्साहित करे।

(3) जरूरती स्कीमाओं को सक्रिय करने के लिए पाड़ प्रदान ना करे।

(4) विद्यार्थियों को अपनी चिंतन प्रक्रिया पर प्रतिबिंबित करने के अवसर ना प्रदान करे।

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q25]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]
4. 4 [Option ID = 280]

26) When asked about the sources of water, Seema, a 6-year-old insists to consider 'tap' as foremost source of water. Her alternative conception about source of water _________.

(1) is highly erroneous

(2) has no basis and is purely irrational

(3) represents her 'naive' theory as per her experience

(4) should be discarded by the teacher without any discussion

जल के स्रोतों के बारे में पूछे जाने पर, 6 वर्षीय सीमा नल को सबसे बड़ा जल स्रोत मानने पर हठ करती है। जल स्रोत के बारे में उसकी वैकल्पिक धारणा __________ ।

(1) निहायत त्रुटिपूर्ण है

(2) का कोई आधार नहीं है और पूरी तरह तर्कहीन है

(3) उसके अनुभव के आधार पर बने 'सरल सिद्धांत' को दर्शाती है

(4) को अध्यापक द्वारा सीधे रूप से बिना चर्चा के नकार देना चाहिए

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q26]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

27) *Assertion (A) :*
A teacher should consider the emotional state of students in the process of teaching-learning at school.
Reason (R) :
Emotions are inextricably intertwined with motivation and cognition.
Choose the correct opotion.

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).

(3) (A) is true but (R) is false.

(4) Both (A) and (R) are false.

अभिकथन (A) :

अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया में एक अध्यापिका को विद्यार्थियों की भावनात्मक स्थिति को ध्यान में रखना चाहिए ।

कारण (R) :

भाव, अभिप्रेरणा और संज्ञान से जटिल रूप से जुड़े होते हैं।

सही विकल्प चुनें ।

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है ।

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है ।

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है ।

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं ।

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q27]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

28) 'Learning to prove superiority over peers' represents _________ goal orientation.

(1) Mastery-approach

(2) Mastery-avoidance

(3) Performance-approach

(4) Performance-avoidance

'अपने सहपाठियों से प्रधानता सिद्ध करने के लिए अधिगम' किस तरह का लक्ष्य अभिविन्यास दर्शाता है ?

(1) महारत-अभिगमन

(2) महारत-परिहार

(3) प्रदर्शन-अभिगमन

(4) प्रदर्शन-परिहार

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q28]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

29) To create a conducive learning environment, it is important for a teacher to

(1) strictly follow time table and avoid flexibility in routine.

(2) know and express respect for students' socio-cultural background.

(3) avoid giving agency and freedom to students for expressing their opinions.

(4) focus on conditioning of behaviour over conceptual understanding.

अधिगम हेतु एक सहायक माहौल बनाने के लिए, एक अध्यापिका को क्या करना चाहिए ?

(1) कठोरता से समय सारणी का पालन करना चाहिए और दिनचर्या में लचीलेपन को टालना चाहिए ।

(2) विद्यार्थियों के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेशों को जानना चाहिए और उनके प्रति सम्मान रखना चाहिए ।

(3) विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने की स्वत्यता और आजादी देने से बचना चाहिए ।

(4) संप्रत्यय की समझ के बजाए व्यवहार के अनुकूलन पर बल देना चाहिए ।

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q29]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

30) Which of the following statement is ***not*** correct about learning ?

(1) Learning is an active process of knowledge construction.

(2) For learning to take place, some level of readiness among students is required.

(3) Social interactions do not play any role in learning process.

(4) Learning is effective when acquired through active involvement of learner.

अधिगम के बारे में निम्न में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(1) अधिगम ज्ञान सर्जन की एक सक्रिय प्रक्रिया है ।

(2) अधिगम हेतु, विद्यार्थियों में कुछ स्तर की तत्परता होनी आवश्यक है ।

(3) सामाजिक पारस्परिकता का अधिगम प्रक्रिया में कोई महत्त्व नहीं है ।

(4) अधिगम प्रभावशाली होता है अगर वह अधिगमकर्ता की सक्रिय भागीदारी द्वारा ग्रहण किया जाता है ।

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_116_Q30]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) What should be subtracted from the sum of eleven thousand, eleven hundred and eleven to obtain ten thousand ?

(1) 101111

(2) 10111

(3) 2011

(4) 2111

ग्यारह हजार, ग्यारह सौ और ग्यारह के योगफल में से क्या घटाया जाए कि दस हजार प्राप्त हो ?

(1) 101111

(2) 10111

(3) 2011

(4) 2111

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q31]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) What should be added to the sum of 8668, 6888 and 8868 to obtain 33110 ?

(1) 6688

(2) 6868

(3) 8686

(4) 8866

33110 प्राप्त करने के लिए 8668, 6888 और 8868 के योगफल में क्या जोड़ा जाए ?

(1) 6688

(2) 6868

(3) 8686

(4) 8866

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q32]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Red and Green dots are marked on the floor. Red dots are bigger than Green dots. Shweta and Kanta throw rings on that floor. For each red dot inside the ring they will get 5 points and for each green dot 1 point. The one getting more points will be the winner. Shweta has 5 red dots and 7 green dots inside her ring and Kanta has 4 red dots and 12 green dots inside her ring. Identify the winner and state the reason.

(1) Kanta, as she gets more points than Shweta

(2) Shweta, as she gets more points than Kanta

(3) Winner cannot be determined as data is incomplete

(4) Game is draw as both of them earn equal points

फर्श पर कुल लाल और हरे बिन्दु बनाये गए हैं। लाल बिन्दु हरे बिन्दु से बड़े हैं। श्वेता और कांता फर्श पर घेरे फेंकती हैं। घेरे के अंदर एक लाल बिन्दु आने पर 5 अंक और हरा बिन्दु आने पर 1 अंक मिलता है। जिसके पास अधिक अंक आएँगे वह विजेता होगा। श्वेता के घेरे में 5 लाल बिन्दु और 7 हरे बिन्दु और कांता के घेरे में 4 लाल बिन्दु और 12 हरे बिन्दु आए। विजेता को पहचानिए और कारण बताइए।

(1) कांता, क्योंकि उसे श्वेता से ज्यादा अंक मिले

(2) श्वेता, क्योंकि उसे कांता से ज्यादा अंक मिले

(3) विजेता घोषित करने के लिए पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है

(4) खेल ड्रॉ हो गया, क्योंकि दोनों ने समान अंक प्राप्त किए

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q33]

1. 1 [Option ID = 309]
2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) Which of the following statements is ***false*** ?

(1) There are infinitely many prime numbers.

(2) All prime numbers are odd numbers.

(3) A prime number has only two factors.

(4) There is only one prime number between 90 and 100.

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा ***असत्य*** है ?

(1) अभाज्य संख्याएँ अपरिमित रूप से अनेक हैं।

(2) सभी अभाज्य संख्याएँ विषम संख्याएँ होती हैं।

(3) अभाज्य संख्याओं के केवल दो गुणनखण्ड होते हैं।

(4) 90 और 100 के बीच केवल एक अभाज्य संख्या है।

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q34]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) How many quarters are there in $9\frac{3}{4} + 3\frac{1}{2}$?

(1) 35

(2) 26

(3) 62

(4) 53

$9\frac{3}{4} + 3\frac{1}{2}$ में कितने चौथाई हैं ?

(1) 35

(2) 26

(3) 62

(4) 53

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q35]

1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) 12 millions can be written in Indian Number System as :

(1) 1 crore 20 lakh

(2) 12 lakh

(3) 1 lakh 20 thousand

(4) 12 crores

12 मिलियन को भारतीय संख्या प्रणाली में निम्न प्रकार से लिखा जा सकता है :

(1) 1 करोड़ 20 लाख

(2) 12 लाख

(3) 1 लाख 20 हज़ार

(4) 12 करोड़

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q36]

1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) Which of the following letters does ***not*** have any line symmetry ?

(1) B

(2) X

(3) S

(4) T

निम्नलिखित अक्षरों में से किसमें कोई रैखिक सममिति ***नहीं*** है ?

(1) B

(2) X

(3) S

(4) T

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q37]

1. 1 [Option ID = 325]

2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) A polygon is called regular when its :

(1) All sides are equal

(2) All angles are equal

(3) Opposite sides are equal

(4) All sides and all angles are equal

एक बहुभुज को समबहुभुज कहा जाता है जब उसकी :

(1) सभी भुजाएँ बराबर हों

(2) सभी कोण बराबर हों

(3) आमने-सामने की भुजाएँ बराबर हों

(4) सभी भुजाएँ और सभी कोण बराबर हों

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q38]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) Which of the following angles is traced by minute hand of a correct clock in 45 minutes ?

(1) 45°

(2) 90°

(3) 180°

(4) 270°

एक सही घड़ी की मिनट की सुई 45 मिनट में निम्नलिखित में से कितने अंश का कोण अनुरेखित करती है ?

(1) 45°

(2) 90°

(3) 180°

(4) 270°

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q39]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) The price list of vegetables in a market is given as follows :

Item	Quantity	Price (₹)
Potato	2 kg	60
Onion	1 kg	35
Tomato	1 kg	40
Chillies	50 g	10
Carrot	250 g	25
Lemon	2 pieces	10

Tapan buys 1 kg potatoes, $\frac{1}{2}$ kg onion, $\frac{1}{2}$ kg tomatoes, 250 g carrot, 100 g chillies and 4 lemons. He gives a note of ₹ 500 to the shopkeeper. How much money will he get back ?

(1) ₹ 231·50

(2) ₹ 367·50

(3) ₹ 132·50

(4) ₹ 376·50

बाज़ार में सब्ज़ियों की मूल्य सूची निम्नलिखित है :

वस्तु	मात्रा	मूल्य (₹ में)
आलू	2 kg	60
प्याज	1 kg	35
टमाटर	1 kg	40
मिर्च	50 g	10
गाजर	250 g	25
नींबू	2 नग	10

तपन ने 1 kg आलू, $\frac{1}{2}$ kg प्याज, $\frac{1}{2}$ kg टमाटर, 250 g गाजर, 100 g मिर्च और 4 नींबू खरीदे। उसने दुकानदार को ₹ 500 का नोट दिया। उसे कितने रुपये वापिस मिलेंगे ?

(1) ₹ 231·50

(2) ₹ 367·50

(3) ₹ 132·50

(4) ₹ 376·50

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q40]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) A bottle is filled $\frac{1}{3}^{rd}$ with milk. Another packet of 500 mL of milk is needed to fill this bottle completely. What is the capacity of the bottle ?

(1) 500 mL

(2) 750 mL

(3) 1 L

(4) 1 L 250 mL

एक बोतल के $\frac{1}{3}$ भाग में दूध है । बोतल को पूरा भरने के लिए 500 mL पैकेट दूध की आवश्यकता है । बोतल की धारिता क्या है ?

(1) 500 mL

(2) 750 mL

(3) 1 L

(4) 1 L 250 mL

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q41]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) Richa started her journey at 16:45 and finished at 23:10. The time taken by her in completing the journey is

(1) 5 hours 55 minutes

(2) 6 hours 45 minutes

(3) 5 hours 35 minutes

(4) 6 hours 25 minutes

रिचा ने 16:45 बजे अपनी यात्रा शुरू की और 23:10 बजे समाप्त की । यात्रा पूरी करने में उसके द्वारा लिया गया समय है

(1) 5 घंटे 55 मिनट

(2) 6 घंटे 45 मिनट

(3) 5 घंटे 35 मिनट

(4) 6 घंटे 25 मिनट

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q42]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) What is the next number :

$8 \times 64, 7 \times 49, 6 \times 36,$ __________ ?

(1) 181

(2) 156

(3) 125

(4) 100

अगली संख्या क्या है :

$8 \times 64, 7 \times 49, 6 \times 36,$ __________ ?

(1) 181

(2) 156

(3) 125

(4) 100

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q43]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) Tally marks are used to find

(1) Mean

(2) Median

(3) Maximum and Minimum Number

(4) Frequency

मिलान चिह्नों का प्रयोग निम्न में से किसको ज्ञात करने के लिए किया जाता है ?

(1) माध्य

(2) माध्यक

(3) अधिकतम व न्यूनतम संख्या

(4) बारंबारता

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q44]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) The table given below shows the growth of rabbits every year in a forest :

Time	Number of rabbits
Start	10
1 year	18
2 year	32
3 year	58
4 year	108

After each year the number of rabbits was :

(1) More than double the number of rabbits in the last year

(2) 8 more than the number in the last year

(3) Double the number in the last year

(4) A little less than double the number of rabbits in the last year

नीचे दी गई तालिका में एक जंगल में हर वर्ष खरगोशों की संख्या में होने वाली बढ़ोतरी को दिखाया गया है :

वर्ष	खरगोशों की संख्या
आरंभ	10
1 वर्ष	18
2 वर्ष	32
3 वर्ष	58
4 वर्ष	108

हर वर्ष के बाद खरगोशों की संख्या :

(1) पिछले वर्ष की संख्या के दुगुने से कुछ अधिक थी

(2) पिछले वर्ष की संख्या से 8 अधिक थी

(3) पिछले वर्ष की संख्या से दुगुनी थी

(4) पिछले वर्ष की खरगोशों की संख्या के दुगुने से कुछ कम थी

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q45]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) Which of the following does ***not*** come under pre-number skills ?

(1) Classification

(2) Ordering

(3) One to one correspondence

(4) Reciting tables

निम्न में से कौन-सा पूर्व संख्या कौशल से संबंधित ***नहीं*** है ?

(1) वर्गीकरण

(2) क्रमबद्धता

(3) एक से एक मिलान (एकैकी संगति)

(4) पहाड़े पढ़ना

[Question ID = 91][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q46]

1. 1 [Option ID = 361]
2. 2 [Option ID = 362]
3. 3 [Option ID = 363]
4. 4 [Option ID = 364]

2) Which of the following is the most appropriate strategy to introduce the concept of Equivalent Fractions at primary level ?

(1) Using circular cut-outs and rectangular strips

(2) Using algorithm of multiplication of fractions

(3) Using algorithm of division of fractions

(4) Using the concept of LCM

प्राथमिक स्तर पर समतुल्य भिन्नों की अवधारणा को प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सर्वाधिक उपयुक्त है ?

(1) वृत्ताकार कट-आऊट और आयताकार पट्टियों का उपयोग करना

(2) भिन्नों के गुणन की कलनविधि का उपयोग करना

(3) भिन्नों के विभाजन/भाग की कलनविधि का उपयोग करना

(4) लघुतम समापवर्त्य की अवधारणा का उपयोग करना

[Question ID = 92][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q47]

1. 1 [Option ID = 365]
2. 2 [Option ID = 366]
3. 3 [Option ID = 367]
4. 4 [Option ID = 368]

3) Which of the following contexts is least appropriate to introduce the concept of negative numbers to learners ?

(1) Temperature going down below 0°C

(2) Floors in a multi-storey building below ground level

(3) Showing the subtraction of two numbers as 12 – 28 = – 16

(4) Account of a shopkeeper which shows profit and loss

निम्नलिखित संदर्भों में से कौन-सा संदर्भ शिक्षार्थियों को ऋणात्मक संख्याओं की अवधारणा को प्रस्तुत करने के लिए सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) तापमान का 0°C से नीचे जाना

(2) एक बहु-मंजिला इमारत के भूतल से नीचे के तल

(3) दो संख्याओं का व्यवकलन दर्शाना जैसे कि 12 – 28 = – 16

(4) एक दुकानदार का खाता जो लाभ और हानि को दर्शाता है

[Question ID = 93][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q48]

1. 1 [Option ID = 369]
2. 2 [Option ID = 370]
3. 3 [Option ID = 371]
4. 4 [Option ID = 372]

4) Which of the following is ***not*** a characteristic of mathematics language ?

(1) Precise

(2) Concise

(3) Symbolic

(4) Ambiguous

निम्नलिखित में से कौन-सा गणितीय भाषा का गुण ***नहीं*** है ?

(1) सटीकता

(2) संक्षिप्तीकरण

(3) प्रतीकात्मक

(4) अस्पष्टता

[Question ID = 94][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q49]

1. 1 [Option ID = 373]
2. 2 [Option ID = 374]
3. 3 [Option ID = 375]
4. 4 [Option ID = 376]

5) According to National Curriculum Framework, 2005, school mathematics should take place in a situation where :

(a) a teacher engages every child in posing and solving meaningful problems in mathematics.

(b) children see mathematics as a part of their daily lives and something to discuss about.

(c) every child is capable of solving all the textbook questions without taking help from a teacher.

(d) focus is only on creating great mathematicians for the country.

Choose the correct option :

(1) (a) and (c)

(2) (c) and (d)

(3) (a) and (b)

(4) only (d)

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अनुसार, स्कूली गणित उस परिस्थिति में होना चाहिए जहाँ :

(a) एक शिक्षक प्रत्येक बच्चे को गणित में अर्थपूर्ण समस्याएँ प्रस्तुत और हल करने में संलग्न रखता है।

(b) बच्चे गणित को उनके दैनिक जीवन के हिस्से के रूप में देखते हैं जिसके बारे में वह चर्चा कर सकते हैं।

(c) प्रत्येक बच्चा बिना शिक्षक की सहायता लिए पाठ्यपुस्तक के सभी प्रश्नों को हल करने की क्षमता रखता है।

(d) जहाँ देश के लिए केवल महान गणितज्ञों के सृजन पर बल हो।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) (a) और (c)

(2) (c) और (d)

(3) (a) और (b)

(4) केवल (d)

[Question ID = 95][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q50]

1. 1 [Option ID = 377]
2. 2 [Option ID = 378]
3. 3 [Option ID = 379]
4. 4 [Option ID = 380]

6) A student writes three hundred six as 3006.
Which of the following is most appropriate for the above situation ?

(1) The answer given by the child is correct

(2) He/she lacks the understanding of place value concept

(3) He/she does not know counting

(4) He/she cannot read

एक छात्र तीन सौ छ: को 3006 के रूप में लिखता है।
उपरोक्त परिस्थिति के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे उपयुक्त है ?

(1) बच्चे द्वारा दिया गया उत्तर सही है

(2) उसमें स्थानीय मान की अवधारणा की समझ की कमी है

(3) वह गिनती नहीं जानता/जानती

(4) वह पढ़ नहीं सकता/सकती

[Question ID = 96][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q51]

1. 1 [Option ID = 381]
2. 2 [Option ID = 382]
3. 3 [Option ID = 383]
4. 4 [Option ID = 384]

7) A primary class teacher gave a collection of shapes to the students and asked them to sort them into different groups based on the properties of the shapes. She is assessing her students at ________ level of geometric thinking according to Van-Hiele's theory.

(1) Visualization

(2) Axiomatic

(3) Formal Deduction

(4) Analysis

प्राइमरी कक्षा की अध्यापिका अपने विद्यार्थियों को आकृतियों का एक समूह देती है और उन्हें उन आकृतियों के गुणों के आधार पर विभिन्न समूहों में वर्गीकृत करने को कहती है। वैन-हैले के सिद्धांत के अनुसार वह विद्यार्थियों का ज्यामितीय चिंतन के __________ स्तर पर आकलन कर रही है।

(1) दृश्यीकरण

(2) स्वयंसिद्धता

(3) औपचारिक निगमन

(4) विश्लेषण

[Question ID = 97][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q52]

1. 1 [Option ID = 385]
2. 2 [Option ID = 386]
3. 3 [Option ID = 387]
4. 4 [Option ID = 388]

8) The focus of mathematics learning should be on

(1) Conceptual learning and logical reasoning

(2) Solving questions from mathematics textbook

(3) Getting good marks in examination

(4) Memorizing formulae and shortcuts of mathematics

गणित अधिगम ______ पर केंद्रित होना चाहिए।

(1) अवधारणात्मक अधिगम और तार्किक विचार (तर्कणा)

(2) गणित की पाठ्यपुस्तक से प्रश्न को हल करने

(3) परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने

(4) गणित के सूत्रों को याद करने और गणित में लघुपथ प्रयोग करने

[Question ID = 98][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q53]

1. 1 [Option ID = 389]
2. 2 [Option ID = 390]
3. 3 [Option ID = 391]
4. 4 [Option ID = 392]

9) Students' learning difficulties can be assessed by conducting achievement test followed by

(1) Criterion referenced test

(2) Norm referenced test

(3) Diagnostic test

(4) Oral test

उपलब्धि परीक्षण के बाद ________ लेकर विद्यार्थियों के अधिगम में कठिनाइयों का आकलन किया जा सकता है।

(1) मानक संदर्भित परीक्षण (क्राइटेरियन रेफरेन्स्ड टैस्ट)

(2) मानदण्ड संदर्भित परीक्षण (नॉर्म रेफरेन्स्ड टैस्ट)

(3) निदानात्मक परीक्षण

(4) मौखिक परीक्षण

[Question ID = 99][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q54]

1. 1 [Option ID = 393]
2. 2 [Option ID = 394]
3. 3 [Option ID = 395]
4. 4 [Option ID = 396]

10) According to National Education Policy (NEP) 2020, Universal Foundational Literacy and Numeracy in primary school has to be achieved by

(1) 2024

(2) 2025

(3) 2026

(4) 2027

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुसार, सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता प्राथमिक विद्यालयों में __________ वर्ष तक हासिल की जानी होगी ।

(1) 2024

(2) 2025

(3) 2026

(4) 2027

[Question ID = 100][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q55]

1. 1 [Option ID = 397]
2. 2 [Option ID = 398]
3. 3 [Option ID = 399]
4. 4 [Option ID = 400]

11) When asked to draw an angle of 120° using a protractor a child drew an acute angle of 60°. What would be the most appropriate remediation for the error made by the child ?

(1) Place the protractor correctly on zero and now ask the child to draw the angle again.

(2) Tell the child the rule how to use the protractor.

(3) Ask the child to draw the same angle using a compass if he/she is unable to use the protractor.

(4) Ask the child to draw a rough estimate of the angle first and then the actual angle using the protractor and compare the two.

एक प्रोट्रैक्टर (चाँदा) का उपयोग करते हुए जब एक बच्चे को 120° का कोण बनाने के लिए कहा तब उसने 60° का एक न्यून कोण बना दिया । बच्चे द्वारा की गई त्रुटि को सुधारने के लिए निम्नलिखित में से सबसे उपयुक्त क्या समाधान होगा ?

(1) प्रोट्रैक्टर (चाँदा) को सही तरह से शून्य (0) पर रखें और अब बच्चे को कोण दोबारा बनाने को कहें ।

(2) बच्चे को यह नियम बताएँ कि प्रोट्रैक्टर (चाँदा) का कैसे इस्तेमाल करना है ।

(3) अगर बच्चा प्रोट्रैक्टर (चाँदा) इस्तेमाल करने में असक्षम है तो उसे उसी कोण को एक परकार (कम्पास) का उपयोग करके बनाने के लिए कहें।

(4) बच्चे को पहले कोण को एक रूक्ष अनुमान लगाकर बनाने के लिए कहें और फिर उसे प्रोट्रैक्टर का उपयोग करके वास्तविक कोण बनाकर दोनों की तुलना करने को कहें ।

[Question ID = 101][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q56]

1. 1 [Option ID = 401]
2. 2 [Option ID = 402]
3. 3 [Option ID = 403]
4. 4 [Option ID = 404]

12) A teacher brings in time tables of different classes, railway charts of train arrivals and departures, surveys published in newspaper in her mathematics class. The intention of the teacher is to :

(1) give the real life context of 'Data-Handling' to children.

(2) help them make tables for tabulating the data.

(3) introduce the concept of probability.

(4) teach them how to make time tables for classes and railways.

एक शिक्षिका गणित की अपनी कक्षा में विभिन्न कक्षाओं की समय-सारणियाँ, ट्रेन के आगमन और गन्तव्य समय के रेलवे के चार्ट, अखबारों में छपे सर्वेक्षण लेकर आती हैं। शिक्षिका का उद्देश्य है :

(1) बच्चों को दैनिक जीवन के संदर्भों पर आधारित 'आँकड़ों का प्रबंधन' देना।

(2) आँकड़ों को सारणीबद्ध करने के लिए सारणियाँ बनाने में बच्चों की सहायता करना।

(3) प्रायिकता की अवधारणा को प्रस्तुत करना।

(4) उनको यह सिखाना कि कक्षाओं और रेलवे के लिए समय-सारणियाँ कैसे बनाई जाती हैं।

[Question ID = 102][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q57]

1. 1 [Option ID = 405]
2. 2 [Option ID = 406]
3. 3 [Option ID = 407]
4. 4 [Option ID = 408]

13) What should be the remedy for a child if he/she writes $\frac{1}{4}>\frac{1}{3}$?

(1) Teacher should ask the child to repersent $\frac{1}{4}$ and $\frac{1}{3}$ in the same picture.

(2) Teacher should give the definition of unit fractions.

(3) Teacher should teach the child how to calculate L.C.M.

(4) Teacher should teach the comparison of natural numbers.

यदि एक बालिका $\frac{1}{4}>\frac{1}{3}$ लिखती है तो उसकी उस त्रुटि को सुधारने के लिए अध्यापिका को क्या करना चाहिए ?

(1) एक आकृति में $\frac{1}{4}$ और $\frac{1}{3}$ दर्शाने के लिए बालिका को कहना चाहिए।

(2) इकाई भिन्न की परिभाषा देनी चाहिए।

(3) बालिका को लघुतम समापवर्त्य (LCM) निकालना समझाना चाहिए।

(4) प्राकृत संख्याओं की तुलना करनी सिखानी चाहिए।

[Question ID = 103][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q58]

1. 1 [Option ID = 409]
2. 2 [Option ID = 410]
3. 3 [Option ID = 411]
4. 4 [Option ID = 412]

14) Which of the following is least appropriate to develop mathematical reasoning among learners ?

(1) Making and testing generalizations

(2) Solving a problem using a given formula

(3) Exploring different ways to solve a problem

(4) Comparing and ordering

निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षार्थियों में गणितीय विवेचन (तार्किकता) को विकसित करने के लिए सबसे कम उपयुक्त है ?

(1) सामान्यीकरण करना और जाँचना

(2) दिए गए सूत्र का उपयोग करके समस्या हल करना

(3) एक समस्या को हल करने के लिए विभिन्न तरीके खोजना

(4) तुलना एवं क्रमबद्ध करना

[Question ID = 104][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q59]

1. 1 [Option ID = 413]
2. 2 [Option ID = 414]
3. 3 [Option ID = 415]
4. 4 [Option ID = 416]

15) How can a teacher address a student's misconceptions of a mathematical concept ?

(1) Asking the parents to arrange home tuitions for the student.

(2) Giving worksheets and focusing on learning procedures to solve the problem.

(3) Ignoring the student's misconceptions as the student will learn the concept eventually.

(4) Understanding student's reasoning towards the concept and then facilitating him/her accordingly.

एक शिक्षक विद्यार्थी की गणितीय अवधारणाओं की भ्रान्तियों को किस प्रकार संबोधित कर सकता है ?

(1) अभिभावकों को विद्यार्थी के लिए घर पर ट्यूशन की व्यवस्था कराने के लिए कहना ।

(2) कार्यपत्र देना और प्रश्न हल करने के लिए कार्यविधियों को याद करने पर ध्यान केंद्रित करना ।

(3) विद्यार्थी की भ्रान्तियों की अनदेखी करना क्योंकि विद्यार्थी अंतत: अवधारणाएँ सीख ही लेगा ।

(4) विद्यार्थी की अवधारणा के प्रति तार्किकता को समझना और उसे उसके अनुसार सहज सुगम बनाना ।

[Question ID = 105][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_116_Q60]

1. 1 [Option ID = 417]
2. 2 [Option ID = 418]
3. 3 [Option ID = 419]
4. 4 [Option ID = 420]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) In order to prevent breeding of mosquitoes it is advised to put kerosene on the surface of stagnant water. The advantage of this action is that the

(1) mosquitoes are repelled by kerosene.

(2) mosquitoes are killed by kerosene.

(3) mosquitoes get stuck in the layer of kerosene.

(4) the layer of kerosene cuts the oxygen supply and thereby stops the mosquito breeding.

मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए ठहरे हुए पानी के पृष्ठ पर किरोसिन डालने का परामर्श दिया जाता है। ऐसा करने का लाभ यह है कि

(1) मच्छर किरोसिन से प्रतिकर्षित होकर भाग जाते हैं।

(2) मच्छर किरोसिन से मर जाते हैं।

(3) मच्छर किरोसिन की परत में फँस जाते हैं।

(4) किरोसिन की परत ऑक्सीजन की आपूर्ति को रोक देती है और मच्छरों का प्रजनन थम जाता है।

[Question ID = 106][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q61]

1. 1 [Option ID = 421]
2. 2 [Option ID = 422]
3. 3 [Option ID = 423]
4. 4 [Option ID = 424]

2) Solve the following riddle :
"Dead animals I do eat
Making places clean and neat
High up in the sky I fly
Tell the name I am called by "
The solution is

(1) Crow

(2) Pigeon

(3) Woodpecker

(4) Vulture

निम्नलिखित पहेली हल कीजिए :

"मरे जानवर खाकर मैं

जगह साफ कर देता हूँ

ऊँचाइयों पर उड़ता हूँ

बोलो क्या कहलाता हूँ"

इसका हल है

(1) कौआ

(2) कबूतर

(3) कठफोड़वा

(4) गिद्ध

[Question ID = 107][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q62]

1. 1 [Option ID = 425]
2. 2 [Option ID = 426]
3. 3 [Option ID = 427]
4. 4 [Option ID = 428]

3) Consider the following statements regarding bee-keeping in Bihar :

A. The best time to start bee-keeping is October to December.

B. Most of the bees in the hive are worker bees and they do most of the important work for the hive.

C. Every beehive has only one queen bee that lays eggs.

D. There are only a few males in the hive. They make the hive and also look after the baby bees.

The correct statements are

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) Only A and C

(4) Only B and D

बिहार में मधुमक्खी पालन के बारे में नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

A. मधुमक्खी पालन आरम्भ करने का सर्वोत्तम समय अक्टूबर से दिसम्बर है।

B. छत्ते में अधिकांश मक्खियाँ काम करने वाली होती हैं और ये ही छत्ते के अधिकांश महत्त्वपूर्ण कार्यों को करती हैं।

C. प्रत्येक छत्ते में केवल एक रानी मक्खी होती है जो अण्डे देती है।

D. छत्ते में केवल कुछ नर मक्खियाँ होती हैं। ये छत्ता बनाती हैं और बच्चों को भी पालती हैं।

इनमें सही कथन हैं

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) केवल A और C

(4) केवल B और D

[Question ID = 108][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q63]

1. 1 [Option ID = 429]
2. 2 [Option ID = 430]
3. 3 [Option ID = 431]
4. 4 [Option ID = 432]

4) We celebrate different festivals during different phases of moon. Which of the following festival is celebrated on a new moon day ?

(1) Diwali

(2) Holi

(3) Eid

(4) Raksha Bandhan

हम चन्द्रमा की विभिन्न कलाओं के दौरान विभिन्न त्योहार मनाते हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा त्योहार नव चन्द्र के दिन मनाया जाता है ?

(1) दीपावली

(2) होली

(3) ईद

(4) रक्षा बंधन

[Question ID = 109][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q64]

1. 1 [Option ID = 433]
2. 2 [Option ID = 434]
3. 3 [Option ID = 435]
4. 4 [Option ID = 436]

5) Select from the following a group of all poisonous snakes found in India :

(1) Indian rat snake, Cobra, Python

(2) Cobra, Common krait, Russel's viper, Sand boa

(3) Cobra, Common krait, Russel's viper, Saw scaled viper

(4) Russel's viper, Saw scaled viper, Common krait, Indian rock python

निम्नलिखित में से, भारत में पाए जाने वाले सभी विषधर सर्पों के समूह का चयन कीजिए :

(1) भारतीय चूहा सर्प, नाग, पायथन (अजगर)

(2) नाग, करैत, दुबोइया, रेत बोआ

(3) नाग, करैत, दुबोइया, अफ़ाई

(4) दुबोइया, अफ़ाई, करैत, भारतीय चट्टान पायथन (अजगर)

[Question ID = 110][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q65]

1. 1 [Option ID = 437]
2. 2 [Option ID = 438]
3. 3 [Option ID = 439]
4. 4 [Option ID = 440]

6) Consider the following statements about "Khejadi" tree :

A. This tree is mainly found in hilly areas.

B. This grows without much water.

C. It is a shady tree and the children like to play in its shade.

D. This tree stores water in its trunk and people use thin pipes to drink this water.

E. People cook and eat its fruits (beans) and use its bark for making medicines.

The correct statements are :

(1) A, B and E

(2) B, C and E

(3) A, D and E

(4) B, C and D

"खेजड़ी" वृक्ष के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

A. यह वृक्ष मुख्यतः पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाता है।

B. इसे उगने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है।

C. यह छायादार वृक्ष है और बच्चे इसकी छाया में खेलना पसन्द करते हैं।

D. इस वृक्ष के तने में पानी एकत्र होता है और लोग पतली नली से इस पानी को पीते हैं।

E. लोग इस पेड़ की फलियों की सब्ज़ी बनाते हैं और इसकी छाल से दवाई बनाते हैं।

इनमें से सही कथन हैं :

(1) A, B और E

(2) B, C और E

(3) A, D और E

(4) B, C और D

[Question ID = 111][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q66]

1. 1 [Option ID = 441]
2. 2 [Option ID = 442]
3. 3 [Option ID = 443]
4. 4 [Option ID = 444]

7) Select a group of three petroleum products from the following :

(1) Diesel, Petrol, Ethanol

(2) Plastics, Paints, LPG

(3) Wax, Grease, Rayon

(4) LPG, Coaltar, Wax

निम्नलिखित में से तीन पेट्रोलियम उत्पादों का समूह चुनिए :

(1) डीज़ल, पेट्रोल, एथेनॉल

(2) प्लास्टिक, पेन्ट, एल.पी.जी.

(3) मोम, ग्रीस, रेयॉन

(4) एल.पी.जी., कोलतार, मोम

[Question ID = 112][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q67]

1. 1 [Option ID = 445]
2. 2 [Option ID = 446]
3. 3 [Option ID = 447]
4. 4 [Option ID = 448]

8) You are at a railway station and want to reach your hotel. There is a busy highway between the railway station and the hotel. In order to reach the hotel you first go 100 m due west, then cross a 50 m long zebra-crossing, towards due north, then 500 m due east, and then finally 70 m due north to reach the hotel. With respect to the hotel the direction of the railway station is

(1) North-East

(2) North-West

(3) South-East

(4) South-West

आप रेलवे स्टेशन पर हैं और अपने होटल पहुँचना चाहते हैं। रेलवे स्टेशन और होटल के बीच एक व्यस्त राजमार्ग है। होटल पहुँचने के लिए पहले आप ठीक पश्चिम में 100 मी. चलते हैं, फिर ठीक उत्तर में 50 मी. लम्बा जेबरा-क्रॉसिंग पार करते हैं, फिर ठीक पूर्व में 500 मी. और अन्त में ठीक उत्तर में 70 मी. दूरी चलकर होटल पहुँचते हैं। होटल के सापेक्ष रेलवे स्टेशन की दिशा है

(1) उत्तर-पूर्व

(2) उत्तर-पश्चिम

(3) दक्षिण-पूर्व

(4) दक्षिण-पश्चिम

[Question ID = 113][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q68]

1. 1 [Option ID = 449]
2. 2 [Option ID = 450]
3. 3 [Option ID = 451]
4. 4 [Option ID = 452]

9) An EVS teacher asked her students to drink water that is safe. She is talking about

(1) Fresh water

(2) Ground water

(3) Potable water

(4) Tap water

एक पर्यावरण अध्ययन की अध्यापिका अपने विद्यार्थियों को सुरक्षित पेय जल पीने के लिए कहती है। वह बात कर रही है

(1) ताज़े पानी की

(2) भूमिगत जल की

(3) पेय जल की

(4) नल के पानी की

[Question ID = 114][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q69]

1. 1 [Option ID = 453]
2. 2 [Option ID = 454]
3. 3 [Option ID = 455]
4. 4 [Option ID = 456]

10) Who among the following got the Nobel Prize in Medicine in December 1902, for his work on Malaria ?

(1) Ronald Ross

(2) Alexander Fleming

(3) Leeuwenhoek

(4) Robert Hooke

निम्नलिखित में से किसे मलेरिया पर अपने कार्य के लिए दिसम्बर 1902 में, चिकित्सा के लिए नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ है ?

(1) रोनाल्ड रॉस

(2) अलेक्ज़ेंडर फ्लेमिंग

(3) लियुवेनहॉक

(4) रॉबर्ट हुक

[Question ID = 115][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q70]

1. 1 [Option ID = 457]
2. 2 [Option ID = 458]
3. 3 [Option ID = 459]
4. 4 [Option ID = 460]

11) The process of cooling due to evaporation is slow when the wind speed

(1) increases and the amount of moisture in air (humidity) is high.

(2) increases and the amount of moisture in air (humidity) is low.

(3) decreases and the amount of moisture in air (humidity) is low.

(4) decreases and the amount of moisture in air (humidity) is high.

वाष्पन के कारण शीतलन की प्रक्रिया तब धीमी होती है जब वायु के बहने की चाल

(1) बढ़ती है और वायु में नमी की मात्रा (जलवाष्प या आर्द्रता) अधिक होती है।

(2) बढ़ती है और वायु में नमी की मात्रा (जलवाष्प या आर्द्रता) कम होती है।

(3) घटती है और वायु में नमी की मात्रा (जलवाष्प या आर्द्रता) कम होती है।

(4) घटती है और वायु में नमी की मात्रा (जलवाष्प या आर्द्रता) अधिक होती है।

[Question ID = 116][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q71]

1. 1 [Option ID = 461]
2. 2 [Option ID = 462]
3. 3 [Option ID = 463]
4. 4 [Option ID = 464]

12) Select from the following a pair of Union Territories of India :

(1) Goa, Puducherry

(2) Mizoram, Ladakh

(3) Delhi, Lakshdweep

(4) Nagaland, Jammu and Kashmir

निम्नलिखित में से भारत के केन्द्र शासित प्रदेशों के युगल को चुनिए :

(1) गोआ, पुदुचेरी

(2) मिज़ोरम, लद्दाख

(3) दिल्ली, लक्षद्वीप

(4) नागालैण्ड, जम्मू और कश्मीर

[Question ID = 117][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q72]

1. 1 [Option ID = 465]
2. 2 [Option ID = 466]
3. 3 [Option ID = 467]
4. 4 [Option ID = 468]

13) Lunar eclipse occurs on a __________ day.

(1) Cresent moon

(2) Quarter moon

(3) Full moon

(4) New moon

चंद्र ग्रहण ___________ के दिन होता है।

(1) बाल चन्द्र

(2) चौथाई चन्द्र

(3) पूर्णिमा

(4) नव चन्द्र

[Question ID = 118][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q73]

1. 1 [Option ID = 469]
2. 2 [Option ID = 470]
3. 3 [Option ID = 471]
4. 4 [Option ID = 472]

14) Which among the following practices of rainwater harvesting originated in Rajasthan ?

(1) Guls

(2) Kuls

(3) Bavdis

(4) Naulas

राजस्थान में उद्भूत वर्षा जल संग्रहण की प्रथा निम्नलिखित में से कौन-सी है ?

(1) गुल

(2) कुल

(3) बावड़ी

(4) नौला

[Question ID = 119][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q74]

1. 1 [Option ID = 473]

2. 2 [Option ID = 474]
3. 3 [Option ID = 475]
4. 4 [Option ID = 476]

15) With respect to the location of the capital of India, the directions of the capital of Odisha (Bhubaneshwar) and the capital of Karnataka (Bangaluru) respectively are

(1) South-East and South
(2) South-West and South-East
(3) South-East and North-West
(4) North-East and South

भारत की राजधानी की स्थिति के सापेक्ष ओडिशा की राजधानी (भुवनेश्वर) और कर्नाटक की राजधानी (बेंगलुरू) की दिशाएँ क्रमश: हैं

(1) दक्षिण-पूर्व और दक्षिण
(2) दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व
(3) दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम
(4) उत्तर-पूर्व और दक्षिण

[Question ID = 120][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q75]

1. 1 [Option ID = 477]
2. 2 [Option ID = 478]
3. 3 [Option ID = 479]
4. 4 [Option ID = 480]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Shahmir takes the students of his class to the museum. During the visit, they observe an old painting showing construction of a fort. Shahmir asks students to see how many men and women are working and the type of work they are doing ? What is Shahmir trying to develop in students ?

A. Observation
B. Analysis
C. Comparison
D. Appreciation

(1) A and B
(2) B and C
(3) C and D
(4) A and D

शाहमीर अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को संग्रहालय ले जाता है। भ्रमण के दौरान वे एक पुरानी पेंटिंग देखते हैं, जिसमें एक किले का निर्माण दिखाया हुआ है। शाहमीर विद्यार्थियों से यह देखने का आग्रह करता है कि उसमें कितने पुरुष और महिला कार्य कर रहे हैं, और वे किस प्रकार का काम कर रहे हैं। शाहमीर विद्यार्थियों में क्या विकसित करने का प्रयास कर रहा है ?

A. अवलोकन

B. विश्लेषण

C. तुलना

D. सराहना

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 121][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q76]

1. 1 [Option ID = 481]
2. 2 [Option ID = 482]
3. 3 [Option ID = 483]
4. 4 [Option ID = 484]

2) Thavari was delighted to inform Aparna that this Akha Teej, she is being married, she will get new lehnga sadi, lots of sweets and jewellery and go to another village. Aparna is concerned about this girl studying in class III being married at such a tender age. This usually happens in the village. What should Aparna do to prevent child marriage in her village ?

(1) Inform police and prevent marriage.

(2) Talk to her parents and prevent marriage.

(3) Contact village panchayat representative and prevent marriage.

(4) Invite village community to a school play showing drawbacks of child marriage.

थावरी, अपर्णा को यह बताते हुए बहुत खुश हो रही थी कि इस आखा तीज़ पर उसकी शादी हो रही है, उसे नया लहँगा साड़ी मिलेगा, खूब सारी मिठाई और गहने मिलेंगे और वो दूसरे गाँव जाएगी। अपर्णा इस तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली लड़की के इतनी छोटी उम्र में विवाह को लेकर चिंतित है। यह प्रथा अकसर इस गाँव में होती रहती है। अपने गाँव में बाल विवाह प्रथा को रोकने के लिए अपर्णा को क्या करना चाहिए ?

(1) पुलिस को सूचित कर शादी को रोक देना चाहिए।

(2) उसके माता-पिता से बात करके, विवाह को रोक देना चाहिए।

(3) ग्राम पंचायत प्रतिनिधि से बात करके शादी को रोक देना चाहिए।

(4) ग्रामीण समुदाय को स्कूल में आमंत्रित कर बाल विवाह के दुष्परिणामों पर अक्सर नाटक दिखाना चाहिए।

[Question ID = 122][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q77]

1. 1 [Option ID = 485]
2. 2 [Option ID = 486]
3. 3 [Option ID = 487]
4. 4 [Option ID = 488]

3) Which of the following is ***not*** an appropriate approach to teach EVS ?

A. Experimentation

B. Instruction through lectures

C. Story-telling

D. Guided inquiry

E. Discussions

(1) A and C

(2) B

(3) D

(4) E

निम्नलिखित में से कौन-सा ई.वी.एस. के शिक्षण के लिए उपयुक्त उपागम ***नहीं*** है ?

A. प्रयोग करना

B. व्याख्यानों द्वारा शिक्षण

C. कथा-वाचन

D. निर्देशित अन्वेषण

E. विचार-विमर्श

(1) A और C

(2) B

(3) D

(4) E

[Question ID = 123][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q78]

1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

4) A student finds any EVS topic taught in the class difficult to understand and is unable to process it for assessment later. How will you help him/her to learn topics ?

A. Make a mixed peer group while learning.

B. Break the tasks into parts and teach the parts separately.

C. Develop braille lessons for all lessons for him/her.

D. Develop audio lessons for all lessons for him/her.

Choose the correct option.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

एक विद्यार्थी को कक्षा में पढ़ाया गया कोई भी ई.वी.एस. का विषय समझने में मुश्किल होती है तथा वह भावी आकलन के लिए उसे ग्रहण नहीं कर पाता । विषय को सीखने में आप उसकी मदद कैसे करेंगे ?

A. अधिगम के समय एक मिश्रित समकक्ष समूह बनाकर।

B. कार्यों को हिस्सों में विभाजित करके तथा प्रत्येक हिस्से को अलग-अलग सिखा कर ।

C. उस विद्यार्थी के लिए सभी पाठों के ब्रेल पाठ विकसित करके।

D. उस विद्यार्थी के लिए सभी पाठों के श्रव्य-पाठ विकसित करके।

सही विकल्प चुनिए ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 124][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q79]

1. 1 [Option ID = 493]
2. 2 [Option ID = 494]
3. 3 [Option ID = 495]
4. 4 [Option ID = 496]

5) Which of the following is the most important objective of EVS teaching ?

(1) Developing conceptual knowledge.

(2) Developing procedural knowledge.

(3) Developing higher order thinking skills.

(4) Developing conceptual understanding.

निम्नलिखित में से कौन-सा पर्यावरण अध्ययन शिक्षण का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है ?

(1) अवधारणात्मक ज्ञान का विकास करना ।

(2) प्रक्रियागत ज्ञान का विकास करना ।

(3) उच्च स्तरीय चिंतन कौशलों का विकास करना ।

(4) अवधारणात्मक समझ का विकास करना ।

[Question ID = 125][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q80]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

6) Which amongst the following represents the learning indicators of EVS learning ?

(1) Observation and reporting

(2) Synthesising

(3) Concern for shared vision

(4) Researching

ई.वी.एस. अधिगम के अधिगम सूचकों/संकेतों को निम्नलिखित में से कौन-सा निरूपित करता है ?

(1) अवलोकन और विवरण देना

(2) संश्लेषण करना

(3) साझा दृष्टिकोण के प्रति संवेदना रखना

(4) अनुसंधान करना

[Question ID = 126][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q81]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

7) Which NCF recommended that is the first two years i.e. classes I and II Environmental Studies will look at both the natural and social environment, while in classes III to V there would be separate portion for social studies and general science called Part I and Part II.

(1) NCF 2000

(2) NCF 1988

(3) NCF 1975

(4) NCF 2005

किस राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा ने यह सिफारिश की थी कि पहले दो वर्षों अर्थात् कक्षाएँ I और II, में पर्यावरण अध्ययन में प्राकृतिक एवं सामाजिक वातावरण दोनों सम्मिलित होंगे, जबकि कक्षाओं III से V में, सामाजिक अध्ययन और सामान्य विज्ञान, भाग I और भाग II, पृथक-पृथक भाग होंगे ?

(1) एन.सी.एफ. 2000

(2) एन.सी.एफ. 1988

(3) एन.सी.एफ. 1975

(4) एन.सी.एफ. 2005

[Question ID = 127][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q82]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

8) As soon as the interval bell rings, children are filled with joy thinking the mid-day meal to be served and their mouth waters.
This is an example of which of the following types of learning ?

(1) Observational learning

(2) Classical conditioning

(3) Operant conditioning

(4) Instrumental conditioning

जैसे ही इंटरवेल की घंटी बजती है, बच्चे परोसे जाने वाले मध्याह्न भोजन के बारे में सोचकर खुश हो जाते हैं और उनके मुँह में पानी आ जाता है ।
यह सीखने के निम्नलिखित प्रकारों में से किस प्रकार का उदाहरण है ?

(1) प्रेक्षणीय अधिगम

(2) शास्त्रीय अनुबंधन

(3) क्रियाप्रसूत अनुबंधन

(4) यांत्रिक अनुबंधन

[Question ID = 128][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q83]

1. 1 [Option ID = 509]
2. 2 [Option ID = 510]
3. 3 [Option ID = 511]
4. 4 [Option ID = 512]

9) In EVS class V chapter "Super senses", it is given that birds give different warning calls. Which of the following will be the most suitable approach for teaching this ?

(1) Imitating different calls by teachers.

(2) Imitating different calls by students.

(3) Asking students to identify recorded calls.

(4) Taking students to a field visit and listening calls by birds.

पर्यावरण अध्ययन कक्षा पाँचवीं के पाठ "कैसे पहचाना चींटी ने दोस्त को" में यह बताया गया है कि पक्षी अलग-अलग चेतावनी आवाज़ें निकालते हैं। निम्नलिखित में इसे पढ़ाने हेतु सर्वाधिक उपयुक्त विधि कौन-सी होगी ?

(1) शिक्षकों द्वारा विभिन्न आवाज़ों की नकल किया जाना।

(2) विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न आवाज़ों की नकल किया जाना।

(3) विद्यार्थियों से रिकॉर्ड की गई आवाज़ों को पहचानने के लिए कहना।

(4) विद्यार्थियों को भ्रमण पर ले जाना और पक्षियों की आवाज़ें सुनने के लिए कहना।

[Question ID = 129][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q84]

1. 1 [Option ID = 513]
2. 2 [Option ID = 514]
3. 3 [Option ID = 515]
4. 4 [Option ID = 516]

10) Which of the following is/are true with respect to the School Based Assessment ?

A. It is learner-centred.

B. It is teacher-centred.

C. It is diagnostic in nature.

D. Its focus is on evaluation of achievement.

(1) A and C

(2) B and D

(3) A and B

(4) C and D

स्कूल आधारित आकलन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सत्य है/हैं ?

A. यह शिक्षार्थी-केंद्रित है।

B. यह शिक्षक-केंद्रित है।

C. यह प्रकृति में नैदानिक है।

D. इसका फोकस उपलब्धि के मूल्यांकन पर है।

(1) A और C

(2) B और D

(3) A और B

(4) C और D

[Question ID = 130][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q85]

1. 1 [Option ID = 517]
2. 2 [Option ID = 518]
3. 3 [Option ID = 519]
4. 4 [Option ID = 520]

11) Which of the following is applicable for Unit Plan ?

(1) It is planning for a subject matter which is a cohesive whole.

(2) It is planning for more than 10 lessons.

(3) It consists of detailing learning activities for each lesson plan.

(4) It is planning teaching-learning for an academic year.

निम्नलिखित में से कौन-सा इकाई योजना के लिए प्रयोज्य है ?

(1) किसी ऐसी विषय-वस्तु के लिए योजना बनाना जो कि समग्र रूप से संबद्ध हो ।

(2) 10 से अधिक पाठों के लिए योजना बनाना ।

(3) इसमें प्रत्येक पाठ योजना के लिए विस्तृत अधिगम के क्रियाकलाप हैं ।

(4) यह एक शैक्षिक सत्र के लिए शिक्षण-अधिगम की योजना बनाना है ।

[Question ID = 131][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q86]

1. 1 [Option ID = 521]
2. 2 [Option ID = 522]
3. 3 [Option ID = 523]
4. 4 [Option ID = 524]

12) Which of these is an integral component of Environmental Education at the primary level ?

(1) Children's environment

(2) Textbooks

(3) Linguistic proficiency

(4) Teacher

निम्नलिखित में से कौन-सा, प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा का एक अभिन्न घटक है ?

(1) बच्चों का वातावरण

(2) पाठ्यपुस्तकें

(3) भाषिकी योग्यता

(4) शिक्षक

[Question ID = 132][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q87]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

13) According to NCF 2005 objectives of teaching EVS at the primary level are :

A. To develop an awareness about environmental issues.

B. To nurture the curiosity and creativity of the child particularly in relation to the natural environment.

C. To enhance children's learning capabilities by providing a concrete learning experience.

D. To provide linear exposure to students.

Choose the correct option :

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, C and D

(4) A, B and D

एन.सी.एफ. 2005 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर ई.वी.एस. के शिक्षण के उद्देश्य हैं :

A. पर्यावरणीय विषयों के संबंध में जानकारी का विकास करना ।

B. बच्चे की जिज्ञासा और सृजनात्मकता को पोषित करना, विशेष रूप से प्राकृतिक वातावरण के विषय में ।

C. बच्चों की अधिगम क्षमताओं को, विशेषकर एक मूर्त अधिगम अनुभव द्वारा बढ़ाना ।

D. विद्यार्थियों को एक रेखीय अभिज्ञता देना ।

सही विकल्प चुनिए :

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 133][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q88]

1. 1 [Option ID = 529]
2. 2 [Option ID = 530]
3. 3 [Option ID = 531]
4. 4 [Option ID = 532]

14) Which of the following is a characteristic of discussion method ?

A. Categorizing students.

B. Improving writing skills of students.

C. Involving interchange of ideas among peers.

D. Enhancing self-confidence is students.

Choose the correct option :

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

निम्नलिखित में से कौन-सा परिचर्चा प्रणाली का गुणधर्म है ?

A. विद्यार्थियों को वर्गीकृत करना ।

B. विद्यार्थियों के लेखन कौशल को बेहतर बनाना ।

C. सहपाठियों में विचारों के आदान-प्रदान को सम्मिलित करना ।

D. विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना ।

सही विकल्प चुनिए :

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 134][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q89]

1. 1 [Option ID = 533]
2. 2 [Option ID = 534]
3. 3 [Option ID = 535]
4. 4 [Option ID = 536]

15) Which of the following will be suitable for transacting the theme “Relationships” in EVS class ?

(1) Role play

(2) Conducting lecture

(3) Experiments

(4) Demonstrations

निम्नलिखित में से कौन-सा ई.वी.एस. कक्षा में “संबंध” थीम के लिए उपयुक्त होगा ?

(1) रोल प्ले

(2) व्याख्यान संचालन

(3) प्रयोग

(4) प्रदर्शन

[Question ID = 135][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_116_Q90]

1. 1 [Option ID = 537]
2. 2 [Option ID = 538]
3. 3 [Option ID = 539]
4. 4 [Option ID = 540]

Topic:- HIN_Q91-99_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही / सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

इस गद्यांश में किस जीव के गुणधर्म की बात की गई है ?

(1) केकड़ा

(2) घोंघा

(3) मेंढक

(4) मछली

[Question ID = 166][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q91]

1. 1 [Option ID = 661]
2. 2 [Option ID = 662]
3. 3 [Option ID = 663]
4. 4 [Option ID = 664]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

हॉकीस्टिक और कैंची के बारे में कौन-सी बात उल्लेखनीय है ?

(1) दक्षिणहस्ती और वामहस्ती के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं।

(2) दक्षिणहस्ती और वामहस्ती के लिए एकसमान बनाई जाती हैं।

(3) दोनों के लिए एकसमान सामग्री का प्रयोग किया जाता है।

(4) दोनों के निर्माण में एक ही उपकरण का प्रयोग किया जाता है।

[Question ID = 167][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q92]

1. 1 [Option ID = 665]
2. 2 [Option ID = 666]
3. 3 [Option ID = 667]
4. 4 [Option ID = 668]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही क्यों फिट बैठता है ?

(1) सममिति गुण के कारण

(2) तालाबों में रहने के कारण

(3) दर्पण प्रतिबिम्ब में त्रुटि होने के कारण

(4) असममिति गुण के कारण

[Question ID = 168][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q93]

1. 1 [Option ID = 669]
2. 2 [Option ID = 670]
3. 3 [Option ID = 671]
4. 4 [Option ID = 672]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

घोंघे के असममिति गुणधर्म का क्या कारण है ?

(1) घोंघे का छोटा आकार

(2) इसका घुमावदार होना

(3) एक अकेले जीन का होना

(4) इसकी त्वचा का चिकना होना

[Question ID = 169][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q94]

1. 1 [Option ID = 673]
2. 2 [Option ID = 674]
3. 3 [Option ID = 675]
4. 4 [Option ID = 676]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

गद्यांश में किन मानव-निर्मित वस्तुओं का उल्लेख हुआ है जो घोंघे की तरह असममित प्रकृति की हैं ?

(1) हॉकीस्टिक, बल्ला, जूता

(2) हॉकीस्टिक, जूता, कैंची

(3) कैंची, जूता, कुरसी

(4) हॉकीस्टिक, गेंद, जूता

[Question ID = 170][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q95]

1. 1 [Option ID = 677]
2. 2 [Option ID = 678]
3. 3 [Option ID = 679]
4. 4 [Option ID = 680]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

कौन-से शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं?

(1) गुणधर्म का अनेक जीन्स से निर्धारित होना

(2) दाएँ हाथ से काम करने की प्रवृत्ति

(3) त्वचा में छिद्र होना

(4) गुणधर्म का किसी एक जीन से निर्धारित होना

[Question ID = 171][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q96]

1. 1 [Option ID = 681]
2. 2 [Option ID = 682]
3. 3 [Option ID = 683]
4. 4 [Option ID = 684]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

'शारीरिक' में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है ?

(1) क

(2) इक

(3) ईक

(4) इत

[Question ID = 172][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q97]

1. 1 [Option ID = 685]
2. 2 [Option ID = 686]
3. 3 [Option ID = 687]
4. 4 [Option ID = 688]

8) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

'गुणधर्म' शब्द का सामासिक विग्रह होगा

(1) गुण में धर्म

(2) गुण पर धर्म

(3) गुण के लिए धर्म

(4) गुण का धर्म

[Question ID = 173][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q98]

1. 1 [Option ID = 689]
2. 2 [Option ID = 690]
3. 3 [Option ID = 691]
4. 4 [Option ID = 692]

9) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

सममिति कई पौधों, जन्तुओं और यहाँ तक कि पानी जैसे कुछ अणुओं का भी गुण होता है। लेकिन घोंघे और उसके कुण्डलित खोल में यह बात नहीं है। ये कुछ इस तरह असममित होते हैं कि इनके दर्पण प्रतिबिम्ब को इनके ऊपर जमाया नहीं जा सकता। हॉकीस्टिक, कैंची और जूतों में भी ऐसा ही होता है। हॉकीस्टिक और कैंचियाँ दाएँ हाथ से काम करने वालों और बाएँ हाथ से काम करने वालों के लिए अलग-अलग बनाई जाती हैं। दक्षिणहस्ती घोंघे का दर्पण प्रतिबिम्ब किसी वामहस्ती घोंघे पर ही फिट बैठ सकता है। इस गुणधर्म के पीछे एक इकलौते जीन का हाथ है जबकि ऐसे शारीरिक लक्षण बहुत कम होते हैं, जिन्हें किसी एक जीन के द्वारा चिह्नित किया जा सके। सजीवों के अधिकांश गुणधर्म कई सारे जीन्स से निर्धारित होते हैं।

'सममिति' का अर्थ है

(1) असमानता

(2) समरसता

(3) एकरूपता

(4) विषमता

[Question ID = 174][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q99]

1. 1 [Option ID = 693]
2. 2 [Option ID = 694]
3. 3 [Option ID = 695]
4. 4 [Option ID = 696]

Topic:- HIN_Q100-105_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मेंढक ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली,
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तबसे झाड़ों को क्या हुआ है,
पत्ती हर एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे,
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे
खिड़की से झाँक तो ले कैसा हरा-भरा है,
धरती पे सरग उतरा-सा जान पड़ रहा है।

काव्यांश के अनुसार चारों ओर बहुत से परिवर्तन हुए हैं। यह किसके आने के बाद हुआ है ?

(1) समुद्री तूफान

(2) बरसात

(3) भीषण गर्मी

(4) हिमपात

[Question ID = 175][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q100]

1. 1 [Option ID = 697]
2. 2 [Option ID = 698]
3. 3 [Option ID = 699]
4. 4 [Option ID = 700]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मेंढक ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली,
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तबसे झाड़ों को क्या हुआ है,
पत्ती हर एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे,
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे
खिड़की से झाँक तो ले कैसा हरा-भरा है,
धरती पे सरग उतरा-सा जान पड़ रहा है।

"वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे", कविता के संदर्भ में इस पंक्ति का भाव है

(1) मोर व पपीहा बहुत ही परिश्रमी जीव हैं।

(2) मोर व पपीहा निरन्तर श्रम करके भी थकते नहीं हैं।

(3) मोर व पपीहा खुशी से लगातार गाए जा रहे हैं।

(4) मोर व पपीहे की आवाज सुनाई नहीं दे रही है।

[Question ID = 176][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q101]

1. 1 [Option ID = 701]
2. 2 [Option ID = 702]
3. 3 [Option ID = 703]
4. 4 [Option ID = 704]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मेंढक ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली,
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तबसे झाड़ों को क्या हुआ है,
पत्ती हर एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे,
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे
खिड़की से झाँक तो ले कैसा हरा-भरा है,
धरती पे सरग उतरा-सा जान पड़ रहा है।

ठंडी हवा के द्वारा किन्हें छूने की बात हुई है ?

(1) विशालकाय भवनों को

(2) खेत खलिहानों को

(3) ध्वजपताकाओं को

(4) झाड़ों को

[Question ID = 177][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q102]

1. 1 [Option ID = 705]
2. 2 [Option ID = 706]
3. 3 [Option ID = 707]
4. 4 [Option ID = 708]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मेंढक ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली,
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तबसे झाड़ों को क्या हुआ है,
पत्ती हर एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे,
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे
खिड़की से झाँक तो ले कैसा हरा-भरा है,
धरती पे सरग उतरा-सा जान पड़ रहा है।

कविता की किन पंक्तियों से आभास हो रहा है कि बहुत तेज हवाएँ चल रही हैं ?

(1) डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है।

(2) बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे।

(3) सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे।

(4) सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे।

[Question ID = 178][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q103]

1. 1 [Option ID = 709]
2. 2 [Option ID = 710]
3. 3 [Option ID = 711]
4. 4 [Option ID = 712]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मेंढक ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली,
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तबसे झाड़ों को क्या हुआ है,
पत्ती हर एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे,
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे
खिड़की से झाँक तो ले कैसा हरा-भरा है,
धरती पे सरग उतरा-सा जान पड़ रहा है।

'सरग' शब्द का तद्भव रूप है

(1) स्वर

(2) स्वर्ग

(3) सर्द

(4) सागर

[Question ID = 179][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q104]

1. 1 [Option ID = 713]
2. 2 [Option ID = 714]
3. 3 [Option ID = 715]
4. 4 [Option ID = 716]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

मेंढक ने शोर बाँधा, चिड़ियों ने चहक खोली,
मुश्किल से लोग सुनते थे जिनकी कभी बोली
वह मोर वह पपीहा थकते नहीं हैं जैसे,
सुध है कि सुध नहीं है, खोए हुए हैं ऐसे
ठंडी हवा ने आकर जब से इन्हें छुआ है
भगवान जाने तबसे झाड़ों को क्या हुआ है,
पत्ती हर एक भरकर मस्ती में हिल रही है,
डाली कि आम वाली पीपल से मिल रही है,
सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे,
बरसात आ गई रे, बरसात आ गई रे
खिड़की से झाँक तो ले कैसा हरा-भरा है,
धरती पे सरग उतरा-सा जान पड़ रहा है।

"सूखी पड़ी थी नदिया, सो भदभदा गई रे।" यहाँ 'भदभदा' शब्द का अर्थ है

(1) ध्वनि के साथ भागना

(2) ध्वनि के साथ चलना

(3) ध्वनि के साथ मचलना

(4) ध्वनि के साथ बहना

[Question ID = 180][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q105]

1. 1 [Option ID = 717]
2. 2 [Option ID = 718]
3. 3 [Option ID = 719]
4. 4 [Option ID = 720]

Topic:- HIN_Q106-120_L1_P1_CTET

1) भाषा में संप्रेषणात्मक भाषा शिक्षण शिक्षार्थियों को किस तरह के अवसर देने पर बल देता है ?

(1) कक्षा में मुक्त रूप से मातृभाषा का प्रयोग करने के लिए

(2) कंठस्थ किए हुए संवाद को सही उच्चारण के साथ दोहराने के लिए

(3) लक्ष्य भाषा में उद्देश्यपूर्ण बातचीत में भाग लेने के लिए

(4) लक्ष्य भाषा में संरचना के प्रतिमानों का अभ्यास करने के लिए

[Question ID = 181][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q106]

1. 1 [Option ID = 721]
2. 2 [Option ID = 722]
3. 3 [Option ID = 723]
4. 4 [Option ID = 724]

2) भाषा अधिगम के लिए कथा वाचन का एक युक्ति के रूप में उद्देश्य ***नहीं*** है

(1) अपनी ही तरह से कहानी कहने के अवसर देना

(2) शिक्षार्थी को नैतिक शिक्षा देना

(3) बच्चों को विविध संस्कृतियों का अनुभव देना

(4) कल्पनाशीलता और रचनात्मकता के प्रयोग को प्रोत्साहित करना

[Question ID = 182][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q107]

1. 1 [Option ID = 725]
2. 2 [Option ID = 726]
3. 3 [Option ID = 727]
4. 4 [Option ID = 728]

3) एक पाठ्यसामग्री को पढ़ने के बाद बालक संसार के प्रति अपने ज्ञान के संदर्भ में विषयवस्तु पर चिंतन करता है। बालक द्वारा इस्तेमाल किए गए पठन के इस उपकौशल को क्या कहा जाएगा ?

(1) वैश्विक समझ

(2) स्थानीय समझ

(3) पाठ्यवस्तु को सरसरी तौर पर पढ़ना

(4) पाठ्यसामग्री की व्याख्या करना

[Question ID = 183][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q108]

1. 1 [Option ID = 729]
2. 2 [Option ID = 730]
3. 3 [Option ID = 731]
4. 4 [Option ID = 732]

4) कक्षा पाँच में भाषा अधिगम के उच्च स्तरीय चिंतन कौशल के आकलन के लिए कौन-सा सर्वाधिक उपयुक्त कार्य है ?

(1) 'रहीम नाश्ता कर रहा है।' वाक्य का विश्लेषण करें।

(2) वृक्षों के संरक्षण पर एक अनुच्छेद लिखिए।

(3) कल्पना करें कि आप एक रिपोर्टर हैं और पानी की कमी से जूझ रहे एक गाँव में गए हैं। शोध करें और 300 शब्दों में एक रिपोर्ट लिखें।

(4) शब्द जाल में भोजन से संबंधित शब्द लिखें।

[Question ID = 184][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q109]

1. 1 [Option ID = 733]
2. 2 [Option ID = 734]
3. 3 [Option ID = 735]
4. 4 [Option ID = 736]

5) एक अध्यापक ने पहचान की कि बहुत से विद्यार्थी अंग्रेजी वर्णमाला की एकसमान ध्वनियों को व्यक्त करने में असमर्थ हैं । अध्यापक का मत है कि यह प्रथम भाषा के अवरोध के कारण है, इसलिए

(1) इसके बारे में कुछ नहीं करना चाहिए ।

(2) श्रवण प्रशिक्षण एवं अभ्यास की आवश्यकता है ।

(3) यह समझ को बाधित करेगा ।

(4) यह अंग्रेजी के प्रयोग को बाधित करेगा ।

[Question ID = 185][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q110]

1. 1 [Option ID = 737]
2. 2 [Option ID = 738]
3. 3 [Option ID = 739]
4. 4 [Option ID = 740]

6) निपुन भारत मिशन के लक्ष्यों के अनुसार कक्षा तीन के अंत तक साक्षरता के लिए बुनियादी साक्षरता व गणित के अधिगम उद्देश्य क्या हैं ?

(1) एक मिनट में समझ के साथ कम-से-कम 100 शब्द पढ़ना

(2) कम-से-कम 2 – 3 अक्षरों से बने सरल शब्दों को पढ़ना

(3) आयु के उपयुक्त किसी अपठित पाठ्यसामग्री से कम-से-कम 4 – 5 सरल शब्दों वाले छोटे-छोटे वाक्यों को पढ़ना

(4) एक मिनट में कम-से-कम 60 शब्द समझ के साथ पढ़ना

[Question ID = 186][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q111]

1. 1 [Option ID = 741]
2. 2 [Option ID = 742]
3. 3 [Option ID = 743]
4. 4 [Option ID = 744]

7) कक्षा में मातृभाषा की मदद से द्वितीय भाषा का शिक्षण किस विधि की चारित्रिक विशेषता है ?

(1) निर्देश (प्रत्यक्ष)

(2) द्विभाषिक

(3) व्याकरण अनुवाद

(4) कला समावेशित अधिगम

[Question ID = 187][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q112]

1. 1 [Option ID = 745]
2. 2 [Option ID = 746]
3. 3 [Option ID = 747]
4. 4 [Option ID = 748]

8) एक अध्यापक का मत है कि भाषा अधिगम के लिए सामाजिक अन्तःक्रियाएँ एक महत्त्वपूर्ण उद्दीपन हैं। अपने इस मत के अनुसार एक अध्यापक जोड़ों और समूह में गतिविधियों का आयोजन करती है। उसका यह विचार किससे मिलता है ?

(1) पियाज़े

(2) चॉम्स्की

(3) स्किनर

(4) वायगोत्स्की

[Question ID = 188][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q113]

1. 1 [Option ID = 749]
2. 2 [Option ID = 750]
3. 3 [Option ID = 751]
4. 4 [Option ID = 752]

9) निम्नलिखित में से कौन-सा उपकौशल पठन का उपकौशल ***नहीं*** है ?

(1) अनुमान लगाना

(2) सम्पादन

(3) सरसरी तौर पर पढ़ना

(4) बारीकी से पठन

[Question ID = 189][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q114]

1. 1 [Option ID = 753]
2. 2 [Option ID = 754]
3. 3 [Option ID = 755]
4. 4 [Option ID = 756]

10) एक बालिका अच्छी तरह से लिख नहीं पा रही है। अध्यापक उस बालिका पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देती है और अभ्यास व मदद के आधार पर हाथ-आँख समन्वयन बनाने में सहायता करती है। अध्यापक के द्वारा दी गई यह सहायता क्या कहलाती है ?

(1) पुनर्बलन

(2) मदद करना (स्काफोल्डिंग)

(3) अनुकूलन

(4) प्रतिरूपण

[Question ID = 190][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q115]

1. 1 [Option ID = 757]
2. 2 [Option ID = 758]
3. 3 [Option ID = 759]
4. 4 [Option ID = 760]

11) पोर्टफोलियो का निर्माण करते समय सबसे पहला निर्णय कौन-सा होना चाहिए ?

(1) इसमें क्या-क्या शामिल करना चाहिए ?

(2) प्रविष्टियाँ कैसे और कब करनी चाहिए ?

(3) यह कैसा दिखना चाहिए ?

(4) पोर्टफोलियो के द्वारा मूल्यांकन कैसे किया जाता है ?

[Question ID = 191][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q116]

1. 1 [Option ID = 761]
2. 2 [Option ID = 762]
3. 3 [Option ID = 763]
4. 4 [Option ID = 764]

12) एक तीन-वर्ष की बालिका पुस्तक में चित्र देखकर कहानी कहती है । यह बालिका

(1) आरंभिक पाठक है ।

(2) कथा वाचक है ।

(3) चित्र पाठक है ।

(4) पारंपरिक पाठक है ।

[Question ID = 192][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q117]

1. 1 [Option ID = 765]
2. 2 [Option ID = 766]
3. 3 [Option ID = 767]
4. 4 [Option ID = 768]

13) भाषा की अध्यापिका वाक्य प्रतिरूपों के दोहराव पर अधिक बल दे रही है बजाय कि उनके अर्थ समझने पर । वह किस विधि का प्रयोग कर रही है ?

(1) व्याकरण अनुवाद विधि

(2) श्रव्य-भाषिक विधि

(3) परिस्थिति अनुसार उपागम

(4) संप्रेषणात्मक उपागम

[Question ID = 193][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q118]

1. 1 [Option ID = 769]
2. 2 [Option ID = 770]
3. 3 [Option ID = 771]
4. 4 [Option ID = 772]

14) कोई भी बालक अपनी प्रथम भाषा कैसे वातावरण में सीखता है ?

(1) आतिथ्य सत्कारी परिवेश

(2) निजी रूप से सिखलाने वाला परिवेश

(3) औपचारिक परिवेश

(4) स्वाभाविक परिवेश

[Question ID = 194][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q119]

1. 1 [Option ID = 773]
2. 2 [Option ID = 774]

3. 3 [Option ID = 775]
4. 4 [Option ID = 776]

15) नई शब्दावली सिखाते समय अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

(1) शिक्षार्थियों की प्रथम भाषा में अर्थ लिखना चाहिए।

(2) शिक्षार्थियों को संदर्भ में शब्दों का प्रयोग करने के अवसर देने चाहिए।

(3) विभिन्न प्रकार के ड्रिल अभ्यासों के माध्यम से शब्दों का अभ्यास करवाना चाहिए।

(4) शिक्षार्थियों को शब्द याद करने और जहाँ आवश्यक हो, वहाँ प्रयोग करने के लिए कहना चाहिए।

[Question ID = 195][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_116_HINDI_Q120]

1. 1 [Option ID = 777]
2. 2 [Option ID = 778]
3. 3 [Option ID = 779]
4. 4 [Option ID = 780]

Topic:- Telugu_Q121-128_L2_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశిసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రితిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.

సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది. తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతవి వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనివి పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రీ, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె

కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మోలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

ఈ క్రింది వారిలో సంగీత త్రిమూర్తులు కానివారు

(1) తుకారాం

(2) త్యాగరాజస్వామి

(3) ముత్తు స్వామి దీక్షితులు

(4) శ్యామ శాస్త్రి

[Question ID = 316][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q121]

1. 1 [Option ID = 1261]
2. 2 [Option ID = 1262]
3. 3 [Option ID = 1263]
4. 4 [Option ID = 1264]

2) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు

వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశీసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రితిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.

సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది.

తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతవి వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనివి పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బహుళగా వాసి కెక్కాడు.

త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రి, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మాలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

విశ్వనాథ శాస్త్రి ఎవరికి జనకులు

(1) ముత్తుస్వామి దీక్షితులు

(2) త్యాగరాజ స్వామి

(3) శ్యామ శాస్త్రి

(4) పెరియి స్వామి శాస్త్రి

[Question ID = 317][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q122]

1. 1 [Option ID = 1265]
2. 2 [Option ID = 1266]
3. 3 [Option ID = 1267]
4. 4 [Option ID = 1268]

3) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరితకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో పజారంజకాలూ. పజాబోదకాలూ అయిన

అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.
ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశిసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రీతిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.
సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది.
తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాలు లోనూ,

రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజాపూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతవి వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనివి పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రి, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన శివరామ భాగవతార్, నెమ్మోలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

తంజావూరు సచివులలో ముఖ్యులు

(1) నామదేవు

(2) సమర్థ రామదాసు

(3) కృష్ణ భగవతి

(4) పెరియిసామి శాస్త్రి

[Question ID = 318][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q123]

1. 1 [Option ID = 1269]
2. 2 [Option ID = 1270]
3. 3 [Option ID = 1271]
4. 4 [Option ID = 1272]

4) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశీసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రీతిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.

సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని

ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది.
తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతని వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనిని పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రీ, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.
ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మోలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల

భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

తంజావురు కృష్ణభగవతి కాలం

(1) 1841 – 1903

(2) 1729 – 1755

(3) 1763 – 1827

(4) 1755 – 1835

[Question ID = 319][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q124]

1. 1 [Option ID = 1273]
2. 2 [Option ID = 1274]
3. 3 [Option ID = 1275]
4. 4 [Option ID = 1276]

5) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజ్యోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశీసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనపద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన

తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన పద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రీతిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది. సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది. తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతని వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనిని పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రి, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్వాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో

కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మోలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

తంజావురు నాయిక రాజుల రాజ్యాధికారం ఎవరితో అంతమయింది

(1) మన్నారు దేవుడు

(2) నామ దేవు

(3) తులజాజి మహారాజులు

(4) త్యాగరాజ స్వామి

[Question ID = 320][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q125]

1. 1 [Option ID = 1277]
2. 2 [Option ID = 1278]
3. 3 [Option ID = 1279]
4. 4 [Option ID = 1280]

6) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన

నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశీసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రీతిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.

సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది.

తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే

[illegible] తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) [illegible]. ఇతని వల్లన కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనివి పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రీ, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మోలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్లుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

'తంజావురు కృష్ణ'ను చేరదీ సిందెవరు ?

(1) పెరియిసామి శాస్త్రి

(2) నారాయణ దాసు

(3) అండమన్ శివరామ భాగవతార్

(4) త్యాగరాజ స్వామి

[Question ID = 321][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q126]

1. 1 [Option ID = 1281]
2. 2 [Option ID = 1282]

3. 3 [Option ID = 1283]
4. 4 [Option ID = 1284]

7) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరువొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశీసాహితీశాఖలూ, సకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాట్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాట్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రీతిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.

సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం,

నామదవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతిక ప్రచారకులుగా పెరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది. తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతవి వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. ఆధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనివి పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రి, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ వీరిద్దరూ హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మొలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత

తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

ఈ క్రింది వారిలో కథాకాలక్షేప బ్రహ్మ

(1) కృష్ణ భగవతి

(2) పెరియిసామి శాస్త్రి

(3) సమర్థ రామదాసు

(4) పరగూర్ గోపాల భాగవతార్

[Question ID = 322][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q127]

1. 1 [Option ID = 1285]
2. 2 [Option ID = 1286]
3. 3 [Option ID = 1287]
4. 4 [Option ID = 1288]

8) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

చరిత్రకందిన కాలంనుంచి తమిళదేశంలో ప్రజారంజకాలూ, ప్రజాబోధకాలూ అయిన అనేకానేక కళారూపాలు ప్రవర్తిల్లాయి, ప్రకృతచర్చలోని హరికథా కాలక్షేపం తంజావూరుపాలకుల కాలం నాటికే స్థిరరూపాన్ని ధరించినట్లు నిర్ధారించడానికి కావలసినన్ని ప్రమాణాలున్నాయి. దూరదాక్షిణాత్యసీమలపై సాగిన దండ యాత్రల ననుసరించి మహారాష్ట్రపాలకుల అధికారం నొండూరు, బళ్ళారి, బెంగుళూరు, వేలూరు, ఆరణి, జింజి మున్నగు ప్రాంతాలకు వ్యాపించి క్రమక్రమంగా కావేరీ పరీవాహభూమి అయిన తంజావూరు రాజ్యానికి విస్తరించింది. మన్నారు దేవునితో అంతమయిన తంజావూరు నాయకరాజుల రాజ్యాధికారం మహారాష్ట్రపాలకుల హస్తగతమయింది.

ఆనాటికే తంజావూరు సకలలలితకళలకు తీర్థభూమిగా పేరుపొందినది. తమిళభక్తి వాఙ్మయంతోనూ, ఆంధ్రుల మధురభక్తి సాహిత్యంతోనూ ఆర్ద్రమైన కళాభూమి తంజావూరుసీమ. యక్షగానాది దేశిసాహితీరీతులు దక్షిణాంధ్రసాహితీ జగతిలో జగాజోతులు వెలిగించిన రోజులవి. నాయకరాజ్యం పతనమైనప్పటికీ వారి యేలుబడిలో వెలసిన సర్వదేశీసాహితీశాఖలూ, నకలకళారీతులూ మహారాష్ట్ర పాలకుల కై వాడం వల్ల కొత్తమెరుగులు దిద్దుకుని సరికొత్త వెలుగులు విర జిమ్మాయి నారదీయపద్ధతిలో, వార్కరీ భక్తిసంప్రదాయంలోరూపెత్తి మరాఠ్వాడాలో ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్టి సంకీర్తనవద్ధతి - హరికథాకాలక్షేపరీతి - మహారాష్ట్ర ప్రభువుల రాజ్యవ్యాప్తినీ, లలితకళాభిమానాన్నీ పురస్కరించుకుని తంజావూరుకు తరలివచ్చింది. అదివరకే తమిళనాడులో ఏకదేశమయిన తంజావూరు రాజ్యంలో విశిష్టోపహితంగా ప్రబలవ్యాప్తిలో ఉన్న 'కాలక్షేప రీతికి మరాఠ్వాడా సంకీర్తన వద్ధతితో సంఘర్షణ సంభవించింది. సంఘర్షణమూలంగా సామాజిక వ్యవస్థలోని అనేకసంస్థలలో పరివర్తన తప్పనిసరి. రాజకీయాధిపత్యం, సాంస్కృతికాధిపత్యం గల మరాఠీబాణీ తమిళుల 'కాలక్షేప'రీతిని గణనార్హ మయిన స్థాయిలో ప్రభావితం చేసింది.

సంగీతంలో త్రిమూర్తులుగా సంభావితులైన ప్రసిద్ధ కర్ణాటక వాగ్గేయకారులు త్యాగరాజస్వామి (1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామశాస్త్రి (1762-1827)

(1759-1847), ముత్తుస్వామి దీక్షితులు (1775-1835), శ్యామ శాస్త్రి (1763-1827) రచనలు ఆధారంగా తమిళనాడులో ఆనాడు కాలక్షేపాలు ప్రచుర ప్రచారంలో ఉన్నట్లు సంప్రదాయజ్ఞుల అభిప్రాయం. శ్యామశాస్త్రి జనకులగు విశ్వనాథ శాస్త్రి (తులజాజి మహారాజుల (1729-1735) సమకాలికులు) హరికథాగానంలో అందెవేసిన చెయ్యి అని కళాకోవిదుల నిర్ధారణం త్యాగరాజస్వామి రచించిన ప్రహ్లాద చరిత్ర నౌకాచరిత్రలు ఆధారంగా ఆనాటికే హరికథాకాలక్షేపాలు వాడుకలో ఉన్నట్లు తెలుస్తున్నది. తంజావూరు మహారాష్ట్రపాలకులవెంట తరలివచ్చిన కీర్తనకారులు, విద్వద్గాయకులు కర్ణాటకపద్ధతిపై గొప్ప ప్రభావాన్ని ప్రసరింప జేశారు. ప్రయత్నశీలు రయిన పాలకుల కోరికపై మరాట్వాడా నుంచి అపుడపుడు అనేకులు ప్రతిభాశాలులయిన హరిదాసులు, కీర్తనకారులు, గాయకులు తంజావూరువచ్చి నెలలతరబడి తమవిద్యలను ప్రదర్శించేవారు. తుకారాం, నామదేవు, సమర్థ రామదాసు మున్నగు భక్తుల పద్ధతికి ప్రచారకులుగా వీరు పనిచేసేవారు. మరాఠీ భాషకు చెందిన అభంగ, ఓవీ, దిండి, ధ్రుపద్, లావణి మొదలయిన ఛందోభేదాలతో నిండిన వారి కీర్తనసంప్రదాయం తమిళ కళాకారులను బాగా ఆకర్షించింది.

తంజావూరు రాజసచివులలో ముఖ్యులయిన పెరియసామిశాస్త్రి కళారాధ కుడుగా, కళాపోషకుడుగా పేరు పెంపులు గలవాడు. తంజావూరు కొలువుకూటాల లోనూ, రచ్చచావళ్ళలోనూ, దేవళాలలోనూ తాను గమనించిన మహారాష్ట్ర హరికథా కథనవిధానాన్ని స్థానిక భాషాముఖంగా ప్రచారానికి తేవాలన్న సంకల్పం ఆయనకు కల్గింది. పసితనంలోనే తండ్రిని కోల్పోయిన 'తంజావూరు కృష్ణ' అన్న ఒక బాలుణ్ణి పెరియసామిశాస్త్రి చేరదీసి హరికథా కాలక్షేపానికి కావలసిన సకలాం శాలలోనూ ఆ బాలుడికి తగిన శిక్షణ మిప్పించాడు. తమిళ, కన్నడ, మరాఠీ, హిందీ భాషలు నేర్పించాడు. ఈ బాలుడే అనంతరకాలంలో తంజావూరు కృష్ణభాగవతి (1841-1903) గా రూపొందాడు. ఇతని వల్లనే కథాగానవృత్తికి దూరదాక్షిణాత్య సీమలలో విశేషగౌరవమూ, సభాపూజ్యతా చేకూరాయి. అధునిక తమిళకాలక్షేప సంప్రదాయానికి ఇతనిని పితామహుడుగా పేర్కోవచ్చు. అంతకు మునుపే ప్రచుర ప్రచారంలో ప్రచలితమయిన తమిళ సంప్రదాయానికి మరాఠీబాణీని జోడించి అపూర్వమయిన నూతనసృష్టికావించి కృష్ణభాగవతి కథాకాలక్షేప బ్రహ్మగా వాసి కెక్కాడు. త్యాగరాజస్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులైన తిల్లయ్ స్థానం రామయ్యంగార్ గురుచరణుల సన్నిధిలో త్యాగబ్రహ్మ రహస్యాలను ఆకళించుకున్న యీ సంగీత కళాకుశలుడు పంచాపకేశశాస్త్రి, కరుతట్టాంగుడి గోవింద భాగవతర్, మరదప్ప అన్న మహావిద్యాంసుల సహకారగాన సహకారంతో సాగించిన హరికథా కాలక్షేపం అత్యద్భుతంగా ఉండేదని స్వయంగా విన్నవారు వర్ణించారు. ఈయన కోసమే చెన్నపురివంటి నగరాలలో కథాప్రసంగసభ లేర్పడ్డాయి. గోపాలకృష్ణభారతి రచించిన 'నందనార్ చరిత్ర' అన్న కాలక్షేపగ్రంథం కృష్ణభాగవతి ప్రతిభకు మరింత వన్నె పెట్టింది.

ఆంధ్ర హరికథాపితామహుడుగా ప్రశస్తిగాంచిన ఆదిభట్ల నారాయణదాసు గారిని తంజావూరు కృష్ణభాగవతితో పోల్చవచ్చు. కవితారంగంలో, అభినయవిద్యలో కృష్ణభాగవతి కంటె నారాయణదాసు పైచేయి అని చెప్పవచ్చు. కాని సంగీత విషయంలో నారాయణదాసు కంటె కృష్ణభాగవతి ఆమడదూరం ముందని అనుభవజ్ఞుల మాట. ఇద్దరూ త్రిస్థానాలలో అనర్గళంగా

సంచారం చెయ్యగల గాత్రసౌష్ఠవం కలవారు. ఈ రెండుభాషలలోనూ ఎద్దియా హరికథాసార్వభౌములని చెప్పడం స్వభావోక్తి. తంజావూరు కృష్ణభాగవతికి పూర్వం - అంటే పందొమ్మిదో శతాబ్ది పూర్వ భాగం (1800-1850) లో అండమీన్ శివరామ భాగవతార్, నెమ్మోలి వైద్యనాథ భాగవతార్, మణమేల్గుడి వెంకటాచల భాగవతార్, వరగూర్ గోపాల భాగవతార్ మున్నగు కథకులు తమిళంలో ప్రాచీనపద్ధతిలో కథాకాలక్షేపాలను నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజస్వామికి సమీపకాలికుడయిన తిల్లయ్ స్థానం నరసింహభాగవతార్ మొదట్లో ప్రాచీన సంప్రదాయానుసారంగా కథాకాలక్షేపాలు నిర్వహించేవారు. త్యాగరాజ కృతులను యథావిధిగా అభ్యసించిన యీ సంగీత కళానిధి త్యాగరాయ కృతులు ఆధారంగా తన కాలక్షేపాలను సాగించేవారు. సంస్కృతంలో మంచిపరిచయం, సంగీతంలో లోతైన పాండిత్యం, ఆరూఢజ్ఞానబలం కల వీరు తరువాత తరువాత తంజావూరి కృష్ణభాగవతార్ హరికథాకాలక్షేప పద్ధతిని అనుసరించారు. పిట్టకథలు, చమత్కార జనకాలయిన సంభాషణలు వీరిసొత్తు.

త్యాగరాజ స్వామి శిష్యకోటిలో ప్రసిద్ధులు

(1) ముత్తుస్వామి దీక్షితార్

(2) శామ శాస్త్రి

(3) ఆదిభట్ల నారాయణదాసు

(4) తిల్లయ్ స్థానంల రామయ్యంగార్

[Question ID = 323][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q128]

1. 1 [Option ID = 1289]
2. 2 [Option ID = 1290]
3. 3 [Option ID = 1291]
4. 4 [Option ID = 1292]

Topic:- Telugu_Q129-135_L2_P1_CTET

1) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.

ప్రాఙ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన

వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.

ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యాన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.

విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం' గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.

తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.

ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా

సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని 'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.

ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశములు'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది. భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.

ఈ రచన కేంద్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందినది

(1) ఆంధ్ర శతక వాఙ్మయ వికాసము

(2) ఆంధ్ర వాచన వాఙ్మయము-ఉత్పత్తి వికాసములు

(3) సింహగిరి వచనములు

(4) ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శ - ఆగ్లవిమర్శ ప్రభావం

[Question ID = 324][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q129]

1. 1 [Option ID = 1293]
2. 2 [Option ID = 1294]
3. 3 [Option ID = 1295]
4. 4 [Option ID = 1296]

2) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం

విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.

ప్రాఙ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.

ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యాన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.

విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం' గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.

తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని

చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.
ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని 'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.
ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపవరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశముల'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది. భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.

ఆంధ్ర వ్యాకరణ పరిణామముపై పరిశోధనకు డాక్టరేట్ పట్టం పొందినవారు

(1) డా. పాకాల యశోదారెడ్డి

(2) అమరేశం రాజేశ్వర శర్మ

(3) ఆచార్య జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం

(4) ఎం. కులశేఖర రావు

[Question ID = 325][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q130]

1. 1 [Option ID = 1297]
2. 2 [Option ID = 1298]
3. 3 [Option ID = 1299]
4. 4 [Option ID = 1300]

3) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన*

సమాధానములు రాయండి.
ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.
ప్రాఙ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.
ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యాన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.
విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం' గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి

చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.
తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.
ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని 'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.
ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశములు'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది. భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.

సాహిత్యచరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు ఎవరి రచన

(1) డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం

(2) డా. పాకాల యశోధారెడ్డి

(3) డా. ఎస్వీరామారావు

(4) డా. ఎం. కులశేఖరరావు

[Question ID = 326][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q131]

1. 1 [Option ID = 1301]
2. 2 [Option ID = 1302]
3. 3 [Option ID = 1303]
4. 4 [Option ID = 1304]

4) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.

ప్రాబ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.

ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.

విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం'

గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమి బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.

తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.

ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని 'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.

ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశముల'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది.

భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.

'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' ఎవరి సిద్ధాంత వ్యాసం

(1) డా. కె. గోపాల కృష్ణారావు

(2) డా. పల్లాదుర్గయ్య

(3) బి. రామరాజు

(4) డా. సి నారాయణ రెడ్డి

[Question ID = 327][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q132]

1. 1 [Option ID = 1305]
2. 2 [Option ID = 1306]
3. 3 [Option ID = 1307]
4. 4 [Option ID = 1308]

5) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.

ప్రాఙ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.

ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యాన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన

కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.

విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం' గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.

తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.

ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని 'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.

ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు

సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశముల'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది. భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.

'ఆంధ్ర శతక వాఙ్మయ వికాసము' ఎవరి రచన

(1) డా. కె. గోపాలకృష్ణ రావు

(2) బి. రామరాజు

(3) డా. సి. నారాయణరెడ్డి

(4) డా. పాకాల యశోదా రెడ్డి

[Question ID = 328][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q133]

1. 1 [Option ID = 1309]
2. 2 [Option ID = 1310]
3. 3 [Option ID = 1311]
4. 4 [Option ID = 1312]

6) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*

ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.

ప్రాఙ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of

Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.
ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యాన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.
విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం' గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.
తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.
ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని

'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.
ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశములు'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది. భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.
విమర్శలో నవ్యసంప్రదాయవాదమును ప్రవేశ పెట్టినది

(1) డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం

(2) డా. ఎస్వీరామారావు

(3) బిరుద రాజు రామరాజు

(4) పాకాల యశోదా రెడ్డి

[Question ID = 329][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q134]
1. 1 [Option ID = 1313]
2. 2 [Option ID = 1314]
3. 3 [Option ID = 1315]
4. 4 [Option ID = 1316]

7) **సూచన :** *ఈ క్రింది ఇవ్వబడిన వ్యాసభాగమును చదివి, ఇవ్వబడిన ప్రశ్నలకు వరకు సరైన సమాధానములు రాయండి.*
ఉస్మానియా విశ్వవిద్యాలయం తెలుగుశాఖలో ఎం.ఫిల్. పిహెచ్.డి. డిగ్రీల కొరకు జరిగిన పరిశోధనలు సాహిత్య విమర్శ ప్రగతికి ఎంతగానో దోహదం చేశాయి. ముఖ్యంగా ప్రక్రియా విమర్శరంగంలో ఎంతోకృషి జరిగింది. ప్రబంధ వాఙ్మయ విమర్శలో డా. పల్లాదుర్గయ్య సిద్ధాంతవ్యాసం గణనీయమైనది. ప్రచురితమైన 'ప్రబంధ వాఙ్మయ వికాసము' మొదటి భాగంలో (1973) ప్రబంధ శబ్ద విచారం, స్వరూపం, ప్రబంధలక్షణాలు, మనుచరిత్ర వైశిష్ట్యం విపులంగా పరామర్శితమైనాయి. దుర్గయ్య గారు తిమ్మనాది కవులపై ఉత్తమ వ్యాసాలు వెలువరించారు. డా. కె. గోపాలకృష్ణారావు 'ఆంధ్ర శతకవాఙ్మయ వికాసము'లో (1976) భక్తి, తాత్త్విక, నీతి, అధిక్షేప, శృంగార, చారిత్రక, కథాత్మక శతకములు సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచితమైనాయి. వారి 'తెలుగుపై ఉర్దూ పారసీకముల ప్రభావము' (1968) సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి పొందింది.
ప్రాఙ్నన్నయ యుగము నుండి పద్దెనిమిదవ శతాబ్దం వరకు గల వచన

వాఙ్మయపరిణామాన్ని వివరించే గ్రంథం డా. ఎం. కులశేఖరరావు 'ఆంధ్ర వచన వాఙ్మయము – ఉత్పత్తి వికాసములు' (1971). 'సింహగిరి వచనము'లను ఆయన విపులమైన పీఠికతో పరిష్కృతముద్రణ వెలువరించారు. మెకంజీ నుండి బి. రామరాజు వరకు ప్రముఖ పరిశోధకులు, సాహిత్య సంస్థల కృషిని వివరిస్తూ 'తెలుగు సాహిత్యము – పరిశోధన' అనే గ్రంథం (1985) వెలువరించారు. కావ్యానుశీలనము, రుచిరాలోకనము ఆయన విమర్శ వ్యాస సంపుటులు. కులశేఖరరావు గారు ఆంగ్లంలో కూడా History of Telugu Literature, Dr. C. Narayana Reddy - A Literary Profile ప్రచురించారు.

ఆధునిక కవిత్వంలో సంప్రదాయ బలిమినీ ప్రయోగ వైశిష్ట్యన్ని సమ్యగ్వీక్షణంతో సమాలోచించిన ఉత్తమ సిద్ధాంతగ్రంథం. డా. సి. నారాయణ రెడ్డి గారి 'ఆధునికాంధ్ర కవిత్వము-సంప్రదాయములు-ప్రయోగము'లలో (1967). భావకవిత్వశాఖలు, అభ్యుదయ కవితారీతులు, అతినవ్యకవితా ధోరణులు ఇందులో చక్కని సమన్వయ దృక్పథంతో పరిశీలితమైనాయి. వ్యాసవాహిని (1965), సమీక్షణం (1981) వ్యాససంపుటులు ప్రాచీన కవుల కవితా పరిమళాలనూ, నవకవితా మధురిమలనూ హృద్యంగా అందిస్తాయి. పోతన కమనీయ పద్యాలకు రమణీయమైన లఘువ్యాఖ్య 'మందార మకరందాలు' (1973), 'మా ఊరు మాట్లాడింది' (1980) కరీంనగర్ జిల్లా మాండలిక పదాల పరిశీలనం.

విమర్శరంగంలో నూత్న విశ్లేషణలతో సాహిత్య వివేచనకు క్రొత్త గవాక్షాలు తెరిచిన విమర్శకాగ్రగణ్యులు డా. జి.వి. సుబ్రహ్మణ్యం (1935-2006). ప్రాచీనాధునిక సాహిత్యాలలో చోటు చేసుకున్న వీరరస స్వరూప స్వభావాలను సమగ్రంగా ప్రదర్శించిన వీరి 'వీరరసం' గ్రంథానికి రాష్ట్ర సాహిత్య అకాడమీ బహుమతి లభించింది. దేశిపురాణాలకు ప్రతిగా వెలసిన మారన మార్కండేయ పురాణాన్ని అనంతరకవులపై ప్రసరించిన దాని ప్రభావ సహితంగా వివేచించిన సిద్ధాంత గ్రంథం 'ప్రథమాంధ్ర మహాపురాణము' (1973). ఆంధ్ర సాహిత్య విమర్శపై ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావాన్ని తులనాత్మకంగా వివేచించిన ప్రథమగ్రంథం 'ఆంధ్రసాహిత్య విమర్శ – ఆంగ్ల విమర్శ ప్రభావం' (1983) కేంద్రసాహిత్య అకాడమీ బహుమతికి పాత్రమైంది. తెలుగు సాహిత్య పరిణామాలను నూత్నకోణాలతో దర్శించి చర్చించిన బృహద్గ్రంథం 'సాహిత్య చరిత్రలో చర్చనీయాంశాలు'.

తెలుగు సాహిత్య విమర్శకు సుబ్రహ్మణ్యం గారి ఉపాయనం నవ్య సంప్రదాయవాదం. ఆ మార్గంలో విశిష్టులైన విశ్వనాథ దృక్పథాన్ని వివేచిస్తూ 'నవ్య సంప్రదాయం – విశ్వనాథ' (1995) వెలువరించారు. సారస్వత సౌరభం, నవ్యాలోకం, అభినవలోచనం, అనుశీలన, విభావన మున్నగు వ్యాససంపుటులు నిత్యనూతనమైన ఆయన ఆలోచనా రీతికి నిలువుటద్దాలు. జీవియస్ పీఠికలు కూడా విపులమై విస్తృతమైన అధ్యయనాన్ని చాటుతాయి. ఆంధ్ర మహాభారత వ్యాఖ్యానసంపుటాలకు (తి.తి. దేవస్థానం) కూర్చిన బృహత్ పీఠికలు మహాభారత తత్త్వాన్ని సాకల్యంగా విశదీకరించే విజ్ఞాన పేటికలు.

ఆధునిక యుగంలోని వచన వాఙ్మయ ప్రక్రియల్లో ప్రముఖస్థానం ఆక్రమించిన 'తెలుగు సాహిత్య విమర్శ' అవతరణ వికాసాలను ప్రప్రథమంగా వివేచించిన గ్రంథం (1974) డా. ఎస్వీ రామారావు సిద్ధాంత గ్రంథం. ఇందలి పూర్వరంగము, అవతరణము, వికాసము, విస్తరణము అను ప్రకరణాల్లో వివిధ రూపాల్లో వెలువడిన విమర్శ క్రమపరిణామం సమగ్రంగా

సమాలోచితమైంది. అనంతర కాలంలో అన్వీక్షణం, సమవీక్షణం, అభివీక్షణం, కావ్యామృతం వ్యాససంపుటాలు ఆయన వెలువరించాడు. వీనిలో ప్రాచీనాధునిక కవులు సాహిత్యం, వివిధ ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. 'అభివీక్షణం' సహృదయ పురస్కారాన్ని అందుకున్న విమర్శగ్రంథం. 'శతాబ్ది కవిత' (2009) నూరేళ్ళ తెలుగు కవిత్వ ధోరణుల సమాలోచన. విశ్వనాథ సత్యనారాయణ జీవిత సాహిత్యాలను పరామర్శిస్తూ రామారావు 'విశ్వనాథ దర్శనం' (2011) వెలువరించాడు. కీర్తి విశేషులైన ఇరవైమూడు మంది విమర్శకుల కృషిని 'విమర్శకవతంసులు' (2011) లో విశదీకరించాడు. 'పాలమూరు సాహితీ వైభవం' (2010) మహబూబ్ నగర్ జిల్లా ప్రాచీనకవుల చరిత్ర.

ఆంధ్రవ్యాకరణ పరిణామంపై పరిశోధనను డాక్టరేట్ పట్టం పొందిన అమరేశం రాజేశ్వరశర్మ కుమారసంభవంలోని అన్ని అంశాలను వివేచిస్తూ 'నన్నెచోడుని కవిత్వము' అన్న ఉత్తమ విమర్శనా గ్రంథం వెలువరించారు. ఆయన 'వేదము వేంకటరాయశాస్త్రి రూపక సమాలోచనము'లో ప్రతాపరుద్రీయం విపులంగానూ, బొబ్బిలి యుద్ధ, ఉషా నాటకాలు సంక్షిప్తంగానూ సమీక్షింపబడినాయి. తెలంగాణ మాండలికంలో విశిష్టమైన కథలు రచించిన డా. పాకాల యశోదారెడ్డి 'తెలుగులో హరివంశములు'పై సమగ్రమైన సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించారు. ఎర్రన, తిమ్మనలపై (ఎర్రాప్రెగడ, పారిజాతాపహరణ పర్యాలోచనము) ప్రత్యేకమైన విమర్శ గ్రంథాలు ప్రచురించారు. 'ఆంధ్రసాహిత్య వికాసము'లో పురాణయుగంలోని కవుల కావ్యరీతులు, ప్రక్రియలు వివేచితమైనాయి. యశోదారెడ్డి ఎం. కులశేఖరంరావుతో కలిసి 'కావ్యాను శీలనము' వ్యాససంపుటి వెలువరించింది. భాగవతసుధ, భారతంలో స్త్రీ మొదలైనవి ఆమె ఇతర విమర్శ రచనలు.

తెలుగులో హరివంశములపై సమగ్ర సిద్ధాంత గ్రంథం ప్రకటించినవారు

(1) డా. పాకాల యశోదా రెడ్డి

(2) అమరేశం రాజేశ్వర శర్మ

(3) డా. కె. గోపాల కృష్ణ రావు

(4) డా. సి. నారాయణ రెడ్డి

[Question ID = 330][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q135]

1. 1 [Option ID = 1317]
2. 2 [Option ID = 1318]
3. 3 [Option ID = 1319]
4. 4 [Option ID = 1320]

Topic:- Telugu_Q136-150_L2_P1_CTET

1) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు 'గ్రేట్ & మీట్' కార్యక్రమాలలో ఆరోజును ప్రారంభించింది. అందులో అభ్యసకులను తాము ఎక్కువ ఆనందించిన సంఘటనను మిగతా అభ్యసకులతో పంచకోమని అడుగుతుంది. ఈ కార్యక్రమం మొదటి గ్రేడ్ విద్యార్థులకు ఇలా ఉపకరిస్తుంది

(1) మొత్తం మోటారు నైపుణ్యాన్ని సాధించేందుకు

(2) సమర్థ వంతమైన భావప్రసారకులు అయ్యేందుకు

(3) పిల్లలు సమయానికి రావటాన్ని ప్రోత్సహించేందుకు

(4) ఒకళ్ళకు ఒకళ్లు కొత్త భావాలు పరిచయం చేసేందుకు

[Question ID = 331][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q136]

1. 1 [Option ID = 1321]
2. 2 [Option ID = 1322]
3. 3 [Option ID = 1323]
4. 4 [Option ID = 1324]

2) ఏ భాషను అచేతనంగా సముపార్జించుట జరుగుతుంది ?

(1) మొదటి భాషను

(2) ద్వితీయ భాషను

(3) పాఠశాల భాష

(4) విదేశీ భాష

[Question ID = 332][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q137]

1. 1 [Option ID = 1325]
2. 2 [Option ID = 1326]
3. 3 [Option ID = 1327]
4. 4 [Option ID = 1328]

3) ఒక పాఠశాల లీడరు 3-9 సంవత్సరాల మధ్యవున్న గ్రూపు పిల్లలకు మూల్యాంక నిర్వహించాల్సివుంది

(1) వాళ్ళను వర్గీకరించాలి

(2) వాళ్ళకు గ్రేడులు విభజించాలి

(3) వాళ్ళ శక్తులను, అవసరాలను ప్రయోజనాలను మూల్యాంకనం చేయాలి

(4) ర్యాంకు ప్రకారం వాళ్ళను నిలుపుదల చేయాలి

[Question ID = 333][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q138]

1. 1 [Option ID = 1329]
2. 2 [Option ID = 1330]
3. 3 [Option ID = 1331]
4. 4 [Option ID = 1332]

4) గ్రేడ్ 3 అనేది పిల్లలకు చాలా ప్రధానమైన అభ్యసన దశ, ఎందుకంటే అది ఈ క్రింది దాన్నుంచి వేరుపడుతుంది

(1) రాసేందుకునేర్చుకోవటం, నేర్చుకునేందుకు చదవటం

(2) చరదివేందుకు నేర్చుకోవటం, నేర్చుకునేందుకు చదవటం

(3) చదివేందుకు నేర్చుకోవటం, రాయడం కోసంచదవటం

(4) రాయటంకోసం నేర్చుకోవటం, రాసేందుకు చదవటం

[Question ID = 334][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q139]

1. 1 [Option ID = 1333]
2. 2 [Option ID = 1334]
3. 3 [Option ID = 1335]
4. 4 [Option ID = 1336]

5) అభ్యాసకులు తాము నేర్చుకున్న సముపార్జించుకున్న నైపుణ్యాలు, భావనలు అనువర్తిపచేయ గలరాలేదా అనేదానిమీద దృష్టిపెట్టటం అనేది

(1) సమగ్ర అభ్యసనం

(2) విషయ ఆధారిత అభ్యసనం

(3) సామర్థ్య ఆధారిత అభ్యసనం

(4) సహకార అభ్యసనం

[Question ID = 335][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q140]

1. 1 [Option ID = 1337]
2. 2 [Option ID = 1338]
3. 3 [Option ID = 1339]
4. 4 [Option ID = 1340]

6) ఒక విద్యార్థి "నాకోసం Wait చేయవద్దు, నేను Late గా రావచ్చు" అని అంటుంది. ఇది దేనికి ఉదాహరణ ?

(1) మాండలికం

(2) కోడ్ స్విచ్చింగ్

(3) బహుళవాదం

(4) కోడ్ మిక్సింగ్

[Question ID = 336][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q141]

1. 1 [Option ID = 1341]
2. 2 [Option ID = 1342]
3. 3 [Option ID = 1343]
4. 4 [Option ID = 1344]

7) అభ్యసన ఖాళీలను పురించటానికి ఒక భాషా ఉపాధ్యాయురాలు పరిహారబోధన చేస్తోంది. ఈ ఖాళీలను ఆమె వీటితో గుర్తించింది

(1) మైక్రో టీచింగ్

(2) సమగ్ర పరీక్ష

(3) పోటి పరీక్ష

(4) డయాగ్నస్టిక్ పరీక్ష

[Question ID = 337][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q142]

1. 1 [Option ID = 1345]
2. 2 [Option ID = 1346]
3. 3 [Option ID = 1347]
4. 4 [Option ID = 1348]

8) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు తరగతిగదిలోని పిల్లలను 5 గురు చొప్పున విడగొట్టి వాళ్ళకు ఒక రిపోర్టు ఇస్తుంది. ఆ రిపోర్టును గ్రూపు సభ్యులతో చర్చించి, నోట్స్ రాసుకుని దాన్ని సంక్షిప్తంగా రాయమని అడుగుతుంది. ఆమె వాళ్ళలోని, అంశాల్ని ప్రోత్సహిస్తోంది

(1) పరస్పర భావప్రసార నైపుణ్యాలను

(2) విద్యాత్మ భాష

(3) ప్రవచన సామర్థ్యం

(4) గ్రూపు చర్చ

[Question ID = 338][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q143]

1. 1 [Option ID = 1349]
2. 2 [Option ID = 1350]
3. 3 [Option ID = 1351]
4. 4 [Option ID = 1352]

9) ఒక భాషా ఉపాధ్యాయురాలు 5 వ తరగతి విద్యార్థులను ఒక పేరాగ్రాఫ్ రాయమని అడుగుతుంది వాళ్ళు మొదటి ప్రతి రాసిన తరువాత దానిని తమ సమవుజ్జీలకిచ్చి ఫీడ్ బ్యాక్ తిసుకో మంటుంది. ఈ సమవుజ్జీల ఫీడ్ బ్యాక్ ఇలా వుండాలి

(1) అటువంటి ఫీడ్ సమవుజ్జీ ఇవ్వలేడుకాబట్టి దాన్ని విస్మరించాలి

(2) అది ఉపాధ్యాయురాలు బాధ్యత తప్ప సమవుజ్జీ బాధ్యత కాదు కాబట్టిదాన్ని ఆచరించకూడదు

(3) కేవలం రాయటాన్ని గురించిన నైపుణ్యంలో వాడాలి తప్ప మిగతా మూడు నైపుణ్యాలలో కాదు

(4) లేఖనానికి సంబంధించిన టాస్క్ లలో క్రమం తప్పకుండా వాడాలి

[Question ID = 339][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q144]

1. 1 [Option ID = 1353]
2. 2 [Option ID = 1354]
3. 3 [Option ID = 1355]
4. 4 [Option ID = 1356]

10) ఆట స్థలంలో ఫోనులో లేక సామాజికంగా ఇతర వ్యక్తులతో చేసి సంభాషణలో ఉపయోగించే భాష ఇందులో భాగం

(1) సాంఘిక భాష

(2) విద్యాత్మక భాష

(3) ప్రవచన సామర్థ్యం

(4) గ్రూప్ చర్చ

[Question ID = 340][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q145]

1. 1 [Option ID = 1357]
2. 2 [Option ID = 1358]
3. 3 [Option ID = 1359]
4. 4 [Option ID = 1360]

11) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు తన 5 వ తరగతి విద్యార్థులకు కొన్ని ఎన్నిక చేసిన, వర్గీకరించిన వ్యాకరణాంశాలను బోధిస్తోంది. ఈ సందర్భములో ఆమె తరగతిలో అనుసరిస్తున్న పద్ధతి

(1) నైపుణ్య ఆధారిత పద్ధతి

(2) నిర్మాణాత్మక పద్ధతి

(3) నిర్మాణవాద పద్ధతి

(4) టాస్క్ ఆధారిత పద్ధతి

[Question ID = 341][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q146]

1. 1 [Option ID = 1361]
2. 2 [Option ID = 1362]
3. 3 [Option ID = 1363]
4. 4 [Option ID = 1364]

12) ఒక ఉపాధ్యాయురాలు 5 వ తరగతి విద్యార్థులకు వాళ్ళ వాచక పుస్తకం నుంచి ఒక కథను బోధించాలని నిర్ణయించు కుంది. కథను బోధించేటప్పుడు 'చదువుతూవుండగా కార్యక్రమం' ఎలావుంటుందని మీరనుకుంటారు

(1) అభ్యసకులు ఆ వాచకంలో చిత్రపటం ఆధారంగా కథలోని సంఘటనలను వుహించ గలుగుతారు

(2) అభ్యాసకులు జంటలుగా ఒకరికొకరు చదువుతారు

(3) కథానేపథ్యాన్ని ఉపాధ్యాయురాలు చర్చించాలి

(4) ఉపాధ్యాయురాలు మొదటగా కథలోని కొత్తవి, క్లిష్టమయినవి అయిన పదాల్ని పట్టించుకుంది

[Question ID = 342][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q147]

1. 1 [Option ID = 1365]
2. 2 [Option ID = 1366]
3. 3 [Option ID = 1367]
4. 4 [Option ID = 1368]

13) శ్రేయ కొత్తపదాల గురించి పెట్టిన డిక్టేషన్ పరీక్షలో బాగా మార్కులు తెచ్చుకుంది, ఆమెకు అర్థాలుకుడా తెలుసు, అయితే మాట్లాడేటప్పుడు, రాసేటప్పుడు ఆమె వాటిని ఈపయోగించలేదు, ఎందుకంటే ఈపదాలు ఇందులో వున్నాయి

(1) గ్రహణశీల పదజాలం

(2) ఉత్పాదక పదజాలం

(3) విషయ పదజాలం

(4) హైఫ్రీక్వెన్సీ పదజాలం

[Question ID = 343][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q148]

1. 1 [Option ID = 1369]
2. 2 [Option ID = 1370]
3. 3 [Option ID = 1371]
4. 4 [Option ID = 1372]

14) పునాది దశలో అత్యంత ప్రాముఖ్యత గల నైపుణ్యంగా జాతీయ విద్యావిధానం 2020 గుర్తించింది

(1) పునాది పఠన మరియు లేఖన నైపుణ్యం

(2) పునాది అక్షరాస్యత మరియు సంఖ్యా సంబంధనైపుణ్యం

(3) పునాది గణిత శాస్త్ర నైపుణ్యం

(4) పునాది భాషణ నైపుణ్యం

[Question ID = 344][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q149]

1. 1 [Option ID = 1373]
2. 2 [Option ID = 1374]
3. 3 [Option ID = 1375]
4. 4 [Option ID = 1376]

15) లక్ష్య అభ్యాసకులను అనుగుణంగా అభ్యసనంలో లేక వాచకంలో మార్పులు చేయటాన్ని ఏమంటారు

(1) స్వీకరించటం

(2) రూపాంతరణం

(3) మూల్యాంకనం

(4) సమీక్ష

[Question ID = 345][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_106_TELUGU_Q150]

1. 1 [Option ID = 1377]
2. 2 [Option ID = 1378]
3. 3 [Option ID = 1379]
4. 4 [Option ID = 1380]